छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 86 ■ अम्बिकापुर, रविवार 29 मार्च 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

प्रदेश में पेट्रोलियम पदार्थों, गैस सिलिंडरों और उर्वरकों की कमी नहीं, अफवाहों से रहें दूर

पश्चिम एशिया की परिस्थितियों पर मुख्यमंत्री ने की उच्चस्तरीय समीक्षा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पश्चिम एशिया में उत्पन्न परिस्थितियों के मद्देनज़र शनिवार को राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी संभागायुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों, कलेक्टरों एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में पेट्रोलियम उत्पादों, एलपीजी गैस, उर्वरकों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता एवं आपूर्ति व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि और संवेदनशील नेतृत्व के कारण कोविड जैसी चुनौतीपूर्ण स्थिति में भी देश एकजुट रहा और सफलतापूर्वक उसका सामना किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान में कोविड जैसी स्थिति नहीं है, लेकिन सतर्क रहना आवश्यक है। प्रदेश में पेट्रोलियम पदार्थों, गैस सिलिंडरों और उर्वरकों की कोई कमी नहीं है, नागरिकों को किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान नहीं देना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया संकट पर सभी राज्यों के साथ विस्तृत चर्चा की है और आश्वस्त किया है कि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुचारू रूप से जारी है। राज्य स्तर पर कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है, उच्च स्तरीय समिति द्वारा स्थिति की सतत निगरानी की जा रही है। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक जिले में भी कंट्रोल रूम स्थापित किया जाए तथा प्रभारी सचिव और कलेक्टर नियमित समीक्षा करें। अफवाहों और भ्रामक खबरों से बचने के लिए आमजन तक समय पर तथ्यात्मक जानकारी पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मुख्य सचिव विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. बसवराजू एस, कृषि उत्पादन आयुक्त शहला निगार, ऊर्जा विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, खाद्य विभाग की सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले, उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार सहित आईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल के पेट्रोल, डीजल एवं गैस डिवीजन के अधिकारी उपस्थित थे।

कालाबाजारी और जमाखोरी पर करें कार्रवाई

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी या जमाखोरी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। सभी पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों के भंडारण एवं आपूर्ति की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों से टीम भावना के साथ कार्य करते हुए हर परिस्थिति में आमजन तक सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसीएल के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि प्रदेश में गैस एवं पेट्रोलियम पदार्थों की कोई कमी नहीं है, आपूर्ति नियमित रूप से जारी है। गैस सिलिंडरों की ऑनलाइन बुकिंग सामान्य रूप से संचालित है। उज्ज्वला गैस कनेक्शन के लिए 45 दिन तथा सामान्य गैस कनेक्शन के लिए 25 दिन की समय सीमा निर्धारित है, वर्तमान में उसी अंतराल के अनुसार बुकिंग की जा रही है। पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहन में भी किसी प्रकार की बाधा नहीं है और पूरे प्रदेश में स्थिति सामान्य है।

1800-233-3663 पर कॉल करके लें सही जानकारी

मुख्य सचिव विकास शील ने बताया कि वर्तमान परिस्थितियों की सतत निगरानी के लिए राज्य स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। उपभोक्ता घरेलू गैस आपूर्ति से संबंधित समस्याओं, शिकायतों अथवा कालाबाजारी की सूचना 1800-233-3663 पर दे सकते हैं। उन्होंने उक्त नंबर का व्यापक प्रचार-प्रसार करने कहा ताकि आमजन को सही जानकारी समय पर उपलब्ध हो सके और शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में निर्देश दिए गए कि गैस, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति से संबंधित समाचारों पर सतत निगरानी रखी जाए। भ्रामक खबरों से भय की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, ऐसी खबरों का तत्काल संज्ञान में लेकर वास्तविक जानकारी जनता तक पहुंचाई जाए। सोशल मीडिया की भी विशेष निगरानी रखने और मीडिया प्रतिनिधियों के साथ नियमित संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

महत्वपूर्ण संस्थानों में गैस आपूर्ति सुनिश्चित करें

मुख्यमंत्री ने अस्पतालों, छात्रावासों, शैक्षणिक संस्थानों, रेलवे, भारत सरकार की संस्थाओं, सैन्य एवं अर्द्धसैनिक बलों, समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित संस्थानों और एयरपोर्ट कैंटीनों में गैस आपूर्ति निर्बाध बनाए रखने के निर्देश दिए।

राज्यभर में 3841 सिलिंडर जब्त, 97 एफआईआर दर्ज

बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश भर में 335 स्थलों पर छापेमारी की गई, जिसमें कालाबाजारी की कोई पुष्टि नहीं हुई। हालांकि जमाखोरी की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 3841 गैस सिलिंडरों को जब्त किया गया, 97 एफआइआर दर्ज की गई हैं। मुख्यमंत्री ने सीमावर्ती चेक पोस्टों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। गैस सिलिंडरों एवं पेट्रोल-डीजल वाहनों की आवाजाही पर निगरानी रखने के साथ ही निर्देश दिया गया है कि पेट्रोल-डीजल को कंटेनरों में आम जनता को उपलब्ध न कराया जाए। केवल अधिकृत मोबाइल टॉवर एवं जेनसेट संचालित आवश्यक प्रतिष्ठानों को ही कंटेनर में ईंधन उपलब्ध कराया जाए।

किसानों को समय पर मिलेगा खाद

वीडियो कांफ्रेंस के दौरान अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि उर्वरकों की होल्डिंग पर रोक लगाई जाए और दैनिक स्टॉक की नियमित समीक्षा की जाए। सभी किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार समान रूप से उर्वरक उपलब्ध कराया जाए। साथ ही खाद वितरण प्रणाली को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के लिए सॉफ्टवेयर आधारित मॉनिटरिंग की जानकारी भी साझा की गई।

पर्यटन मंडल के एथनिक रिसॉर्ट में पक रहा था हिरण का मांस

मामला बिलासपुर का, वन विभाग ने छापामार कार्रवाई की, 4 कर्मचारी गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के कोटा क्षेत्र अंतर्गत बेलगहना स्थित कुरदर के एथनिक रिसॉर्ट में हिरण का शिकार किया गया। वन विभाग ने रिसॉर्ट में छापेमारी कर हिरण के पकाए गए मांस को बरामद किया है। इस मामले में रिसॉर्ट के मैनेजर और 3 कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना वन्यजीव संरक्षण कानून के उल्लंघन का मामला बन गई है। वन विभाग को शुक्रवार को सूचना मिली कि बेलगहना वन परिक्षेत्र के कुरदर स्थित प्राइवेट रिसॉर्ट में हिरण का शिकार कर उसके मांस को पकाया जा रहा है। विभाग ने रिसॉर्ट में दबिश देने पर किचन में कढ़ाई पर मांस पकते हुए पाया। जांच में पता चला कि यह रिसॉर्ट पर्यटन मंडल द्वारा संचालित किया जा रहा है, जहां 8 से 10 कर्मचारी कार्यरत हैं। मैनेजर और कर्मचारियों के लिए हिरण का मीट पकाया जा रहा था। वन विभाग ने रिसॉर्ट के कुक रामकुमार टोप्पो, मैनेजर रजनीश सिंह, रमेश यादव और संजय वर्मा को गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के उल्लंघन का केस दर्ज किया गया है। बता दें कि कोटा-बेलगहना क्षेत्र में पिछले कुछ समय से वन्यजीवों का शिकार लगातार बढ़ रहा है। यहां बाघ, तेंदुआ और जंगली सुअरों का शिकार हो चुका है। बताया जा रहा है कि कई प्राइवेट रिसॉर्ट्स में इस प्रकार के शिकार हो रहे हैं, लेकिन वन विभाग ने अब तक इन रिसॉर्ट्स में कोई छापेमारी नहीं की है।

रसोईया ने कहा-बैगा दिया था पत्ते में मांस

जब वन विभाग के अफसरों ने मैनेजर रजनीश सिंह और अन्य कर्मचारियों से पूछताछ की, तो उन्होंने अपने आप को निर्दोष बताया। सभी ने मांस के बारे में जानकारी होने से इंकार किया और कुक रामकुमार टोप्पो को दोषी ठहराया। वहीं, कुक रामकुमार ने कहा कि उसे इस बारे में कुछ नहीं पता था, उसे गांव के जनक बैगा ने पत्ते में मांस दिया था। वन विभाग ने जब्त मांस को जांच के लिए जबलपुर लैब भेजने की योजना बनाई है, ताकि यह पुष्टि हो सके कि यह हिरण का मांस है या नहीं। वन विभाग की जांच में हिरण के अन्य अवशेषों का कोई पता नहीं चल सका है। हिरण का शिकार भारतीय वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत गैरकानूनी है और इसके लिए सख्त सजा का प्रावधान है।

12 साल में डीजल, पेट्रोल पर एक्साइज से मोदी सरकार ने कमाया 44 लाख करोड़

पांच राज्यों में चुनाव के डर से डीजल, पेट्रोल से एक्साइज घटाया-दीपक बैज

छ.ग.फ्रंटलाइन रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज का कहना हैं कि मोदी सरकार ने पांच राज्यों के चुनाव को देखते हुए डीजल, पेट्रोल पर से स्पेशल एडिशनल एक्साइज को कम किया है, इसका लाभ केवल तेल कंपनियों को होगा। जैसे ही बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु, पांडिचेरी में चुनाव खत्म हो जाएगा, भाजपा सरकार तुरंत पेट्रोल, डीजल के दामों को 5 से 10 रुपये बढ़ा देगी, चुनावी डर से तेल कंपनियों को यह राहत दी गई है। यह पहली बार नहीं हो रहा, मोदी सरकार इसके पहले भी विभिन्न राज्यों के मतदान के बाद डीजल, पेट्रोल एवं अन्य वस्तुओं के मूल्य और टैक्स बढ़ा चुकी है। यह जनता को लूटने वाली सरकार है। यह अपने चुनावी नफे, नुकसान के हिसाब से निर्णय लेती है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि डीजल को स्पेशल एडिशनल एक्साइज मुक्त तथा पेट्रोल पर एक्साइज में 10 रुपये की कटौती कर मोदी सरकार ने जनता पर अहसान नहीं किया है। यह राहत तेल कंपनियों के मुनाफे में एडजस्ट होगा। मोदी सरकार 2020 से लेकर अभी तक डीजल, पेट्रोल पर बेतहाशा एक्साईज ड्यूटी लगा कर 12

साल में 44 लाख करोड़ रुपये की कमाई आम जनता से किया है। कोरोना काल में डीजल पर 30 और पेट्रोल पर 35 रुपये की एक्साइज ड्यूटी मोदी सरकार ने मूल्यों के युक्तिकरण के नाम पर लगाया था, जिसे बाद में मात्र 5 रुपये कम किया था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मोदी सरकार युद्ध काल में एक्साइज की छूट जनता का अधिकार है। असलियत यह है कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार की तुलना में मोदी सरकार अब भी डीजल पर 8 गुणा और पेट्रोल पर 3 गुणा अधिक एक्साइज ड्यूटी आम जनता से वसूल रही है। मोदी सरकार ने सस्ते तेल का फायदा कभी भी जनता को नहीं पहुंचाया। जब-जब कच्चे तेल के कीमतों में गिरावट हुई तब-तब मोदी सरकार मुनाफाखोरी में लगी रही। मोदी सरकार ने 6 साल में जितना डीजल, पेट्रोल पर से कमाया है, उसे तो हमेशा के लिए पेट्रोल, डीजल को एक्साइज मुक्त करना चाहिए।

जुआरियों से 15,500 रुपये जब्त

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गांधीनगर थाना पुलिस ने पेट्रोलिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर हॉली क्रास स्कूल के गेट के पीछे गर्ल्स हॉस्टल के पास गली में सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे जुआरियों को पकड़ा, और इनके कब्जे से 15 हजार 500 रुपये, ताश का पत्ती जब्त किया है। पुलिस ने सुशील बखला पिता स्व. जगेश्वर 42 साल निवासी गांधीनगर, गांधी चैक, कमलेश चैबे पिता स्व. मदन प्रसाद चैबे 30 साल निवासी शिव मंदिर के पास गांधीनगर, दीपक गुप्ता पिता स्व. मुकेश गुप्ता 28 साल निवासी गांधीनगर सब्जी बाजार के पास, राजकुमार दुबे पिता स्व. सुरेन्द्रनाथ दुबे 36 साल निवासी गांधीनगर तालाब के पास के विरूद्ध छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत कार्रवाई की है। पुलिस ने जुआरियों को जमानत मुचलका पर रिहा कर दिया है।

देशभर से आए पहलवानों के बीच रोमांचक मुकाबला

खेलो इंडिया ट्राईबल गेम्स 2026, सरगुजा में कुश्ती स्पर्धा की शानदार शुरुआत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 के अंतर्गत सरगुजा जिले के अंबिकापुर में कुश्ती प्रतियोगिता की शानदार शुरुआत शनिवार, 28 मार्च को हुई। शहर के गांधी स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता में देश के 30 राज्यों से आए 144 खिलाड़ी शामिल हुए। प्रतियोगिता के शुरुआत के साथ ही पहले दिन खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। युवा पहलवानों ने अपनी तकनीक एवं रणनीति का जबरदस्त प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के पहले दिन पुरुष फ्री स्टाइल सीनियर में 74 किलोग्राम भार वर्ग में जम्मू कश्मीर के मुनैर हुसैन एवं महाराष्ट्र के विक्रम साहेबराव पवार ने विभिन्न पड़ाव में जीत हासिल कर फाइनल मुकाबले में अपनी जगह बनाई। इसी प्रकार फ्री स्टाइल सीनियर में 125 किलोग्राम भार वर्ग में तेलंगाना के बनोथ विनोद कुमार एवं महाराष्ट्र के विनोद यशवंत सलकार विजेता रहे, इनके बीच आगे फाइनल मुकाबला होगा। ग्रीको रोमन सीनियर 67 किलोग्राम भारवर्ग में गुजरात के वसावा मुकेश भाई एवं झारखंड के अंजीतकर मुंडा तथा 97 किलोग्राम भार वर्ग में हिमाचल प्रदेश के नवीश कुमार एवं जम्मू कश्मीर के शमा हुन के बीच आगे फाइनल मुकाबले होंगे। विभिन्न राउंड में विजेता रहीं महिला सीनियर 50 किलोग्राम भार वर्ग में झारखण्ड की पूनम ओरांव एवं तेलंगाना की के. गीता के बीच फाइनल मुकाबले होंगे। महिला सीनियर 62 किलोग्राम भारवर्ग में असम की देबी दैमारी एवं हिमाचल की प्रियंका चौधरी के बीच फाइनल मुकाबला होगा।

खेल संचालक तनुजा सलाम ने आयोजन स्थल का किया निरीक्षण

छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक तनुजा सलाम ने 'खेलों इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026' की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विशेष रूप से रेसलिंग (कुश्ती) चैंपियनशिप की कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया और तकनीकी टीम की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने गांधी स्टेडियम में प्रतिभागियों के लिए तैयार किए गए अभ्यास क्षेत्र, कार्यक्रम स्थल, भोजन व्यवस्था और मेडिकल यूनिट का निरीक्षण किया। खिलाड़ियों के ठहरने के लिए चिन्हित किए गए ग्रैंड बसंत और होटल मयूरा का भी दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आवास स्थलों पर सफाई, सुरक्षा और अन्य मूलभूत सुविधाओं की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान तनुजा सलाम ने विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों से चर्चा की। बच्चों से खेल सुविधाओं, आवास और भोजन की गुणवत्ता के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया जनजातीय क्षेत्रों से आने वाली खेल प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं मिलें। आयोजन को संपन्न कराने के उद्देश्य से संचालक ने तकनीकी स्टाफ और खेल अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक ली। उन्होंने रेसलिंग चैंपियनशिप के दौरान नियमों का कड़ाई से पालन करने और खिलाड़ियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने को कहा। इस अवसर पर जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी राम कुमार सिंह सहित विभाग के अन्य अधिकारी, कोच और कर्मचारी उपस्थित थे।

'तेलंगाना का युवक हुआ जख्मी'

प्रतियोगिता के दौरान दूसरे राउंड में तेलंगाना का एक प्रतिभागी वेंकट 20 वर्ष, खेलते समय जख्मी हो गया। इसका मुकाबला हिमाचल प्रदेश की टीम के साथ हो रहा था। इसे तत्काल एम्बुलेंस से कोच के साथ मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया, और सभी आवश्यक उपचार सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराई गई। बता दें कि गांधी स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता में भारत के विभिन्न राज्यों से 144 रेसलर्स, पुरुष एवं महिला हिस्सा लिए हैं। यह आयोजन जनजातीय युवाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने की दिशा में एक स्वर्णिम अवसर प्रदान करने वाला है। खिलाड़ियों के लिए यहां भव्य व्यवस्था की गई है।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के जेल वार्ड में कैदी को मिल रही थी विशेष सुविधा

शिकायत के बाद जेल अधीक्षक ने दो प्रहरियों को किया निलम्बित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सेंट्रल जेल अंबिकापुर में निरूद्ध सजायाफ्ता कैदी बीमारी के नाम पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के जेल वार्ड में भर्ती रहते हुए विशेष सुविधाओं का लाभ उठाने में लगा था। कैदी का पूरा परिवार अस्पताल और जेल वार्ड के मैन्युअल को ताक में रखकर इनकी खातिरदारी में लगा था। इसकी शिकायत मिलने पर केंद्रीय जेल के अधीक्षक हरकत में आए और उन्होंने वास्तविकता सामने आने पर दो जेल प्रहरियों को निलंबित कर दिया है।

जानकारी के अनुसार मनेंद्रगढ़ जेल से स्थानांतरित होकर सेंट्रल जेल अंबिकापुर आए एक कैदी को जेल चिकित्सक ने गंभीर बीमारी का प्रमाण पत्र जारी कर दिया, इसके बाद उसे मेडिकल कॉलेज

अस्पताल के जेल वार्ड में भर्ती कराया गया था। जेल प्रबंधन ने कैदी के स्वजन को अटेंडेंट के रूप में साथ रहने और आने-जाने की अनुमति दे दी थी। इस छूट का फायदा उठाकर कैदी को जेल वार्ड में मोबाइल, घर का खाना और मिनरल वॉटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही थीं, जो नियमों के विपरीत है। इसकी शिकायत मिलने पर जेल अधीक्षक अक्षय सिंह राजपूत ने अस्पताल के जेल वार्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान जेल वार्ड का ताला खुला मिला और नियमों का उल्लंघन पाया गया। उन्होंने कार्रवाई करते हुए ड्यूटी पर तैनात प्रहरी जयप्रकाश कुजूर और लोकनाथ निषाद को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही अटेंडर के रूप में उपस्थित रहने वाले कैदी के स्वजन को दी गई छूट भी तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई है।

कीटनाशक का सेवन की महिला की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। दिमागी रूप से बीमार महिला घर में रखे जहरीले पदार्थ का सेवन कर ली, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।जानकारी के मुताबिक, जशपुर जिला के बागबहार थाना अंतर्गत ग्राम खूटापानी की सीताबाई पति तपेश्वर पैकरा 37 वर्ष, 26 मार्च की सुबह घर में रखे कीटनाशक का सेवन कर ली थी। घर के सदस्यों को जब इसका पता चला तो वे उसे पत्थलगांव स्वास्थ्य केन्द्र ले गए।

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026 ISO 9001: 2015 CERTIFIED
बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।
डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद
समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा
बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

कुम्दा रेल फाटक होगा बंद, 5 अप्रैल से रोड ओवरब्रिज बनेगा नया रास्ता

छ.ग. फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। सड़क और रेल यातायात की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल ने बिश्रामपुर-करंजी रेलखंड पर स्थित कुम्दा रेल फाटक को स्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया है। 5 अप्रैल रविवार को दोपहर 3 बजे से यह समपार फाटक आम वाहनों के लिए पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। इसके बदले अब लोगों को ओवरब्रिज के जरिए सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। रेलवे प्रबंधन ने बताया कि समपार फाटकों पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने और सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए लगातार रोड ओवरब्रिज और रेल अंडरब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। इसी रणनीति के तहत कुम्दा स्थित समपार संख्या एबी-69 पर ओवरब्रिज का निर्माण कार्य पूरी तरह पूर्ण कर लिया गया है। अब जब आवागमन मार्ग रहा है। फाटक बंद होने के बाद अब सभी छोटे-बड़े वाहन नए बने रोड ओवरब्रिज का उपयोग करेंगे। स्थानीय लोगों के लिए यह पहल राहत भरी भी है, क्योंकि अक्सर फाटक बंद रहने के कारण लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ता था। रेलवे प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे 5 अप्रैल के बाद पुराने रेल फाटक से आवागमन का प्रयास न करें और केवल निर्धारित वैकल्पिक मार्ग यानी रोड ओवरब्रिज का ही उपयोग करें। लोगों का मानना है कि समपार फाटक बंद कर रोड वैकल्पिक मार्ग तैयार है, तो पुराने फाटक को बंद कर दुर्घटना की संभावनाओं को पूरी तरह खत्म करने की दिशा में कदम उठाया गया है। यह रेल फाटक बिश्रामपुर-करंजी स्टेशन के बीच किमी 1016/04-05 पर स्थित है, जो लंबे समय से स्थानीय लोगों और वाहनों के लिए प्रमुख ओवरब्रिज शुरू करने से रेल और सड़क यातायात के टकराव की संभावना खत्म होगी और ट्रैफिक जाम की समस्या दूर होगी।

कोयलांचल क्षेत्र में 10/12 खदान के ऊपर अवैध निर्माण से बढ़ा खतरा

चिंताजनक बात यह है कि जिस स्थान पर अवैध निर्माण हो रहा है,

छ.ग. फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। कोयलांचल क्षेत्र में एक बार फिर सुरक्षा और नियमों की अनदेखी का गंभीर मामला सामने आया है। एसईसीएल विश्रामपुर क्षेत्र अंतर्गत बलरामपुर 10/12 खदान की अधिग्रहित भूमि पर अवैध निर्माण किए जाने की शिकायत ने खदान प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है। इस संबंध में बलरामपुर खदान प्रबंधन द्वारा कुम्दा उपक्षेत्र के उप क्षेत्रीय प्रबंधक को औपचारिक पत्र भेजकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई है। पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि ग्राम पंचायत बलरामपुर की वह भूमि, जिसे खनन कार्य के लिए अधिग्रहित किया गया है, वहां कुछ लोगों द्वारा नियमों को ताक पर रखकर निर्माण कार्य किया जा रहा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि जिस स्थान पर अवैध निर्माण हो रहा है, उसके नीचे वर्तमान में खदान का डेवलपमेंट और डिपिलरिंग कार्य जारी है। बताया जा रहा है कि उक्त क्षेत्र में पैनल 23 एल और 28 एल में खनन गतिविधियां संचालित हो रही हैं। विशेषज्ञों के अनुसार डिपिलरिंग के दौरान जमीन के धंसने की आशंका बनी रहती है। ऐसे में सतह पर किसी भी प्रकार का निर्माण न केवल अवैध है, बल्कि वहां रहने वालों के लिए जानलेवा भी साबित हो सकता है। खदान प्रबंधन ने अपने पत्र में साफ तौर पर कहा है कि यह निर्माण कार्य पूरी तरह अवैधानिक और असुरक्षित है। यदि समय रहते इसे नहीं रोका गया, तो भविष्य में बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता।

प्रबंधन ने उप क्षेत्रीय प्रबंधक से आग्रह किया है कि तत्काल कार्रवाई करते हुए इस अवैध निर्माण को रुकवाया जाए, ताकि संभावित जोखिम को टाला जा सके। हालांकि स्थानीय स्तर पर यह सवाल भी उठने लगा है कि आखिर अधिग्रहित और संवेदनशील खनन क्षेत्र में निर्माण कार्य कैसे शुरू हो गया। संबंधित लोगों को खदान के नीचे चल रही गतिविधियों की जानकारी कैसे नहीं है, या फिर नियमों की अनदेखी जानबूझकर की जा रही है। मामले में एसईसीएल प्रबंधन की अगली कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं। यदि समय रहते सख्त कदम उठाए जाते हैं, तो न केवल अवैध निर्माण रोका जा सकेगा, बल्कि संभावित हादसों से भी बचाव संभव होगा।

उपमुख्यमंत्री ने दीदियों की बस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

रायपुर। उपमुख्यमंत्री और कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में अहम पहल करते हुए जिला कबीरधाम में आयोजित अंतर्राज्यीय दिशा दर्शन भ्रमण कार्यक्रम के तहत समूह की महिलाओं के बस को हरी झंडी दिखाकर मंडला, बिछिया और जबलपुर के लिए रवाना किया। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है और इस तरह के भ्रमण से उन्हें नए अवसरों की समझ मिलती है। उपमुख्यमंत्री ने सभी समूह दीदियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह भ्रमण उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगा और वे सीखकर अपने क्षेत्र में स्वरोजगार के नए आयाम स्थापित करेंगी।महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में लोहारा एवं कवर्धा विकासखंड से कुल 40 स्वसहायता समूह की दीदियां शामिल हो रही हैं। यह भ्रमण कार्यक्रम महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। भ्रमण के दौरान महिलाएं विभिन्न स्थानों पर संचालित रोजगारपरक गतिविधियों का अवलोकन करेंगी, उनके कार्यप्रणाली को समझेंगी तथा अपने अनुभवों को साझा करेंगी। इस पहल से समूह की महिलाओं को नए अवसरों की जानकारी मिलेगी और वे अपने क्षेत्र में भी स्वरोजगार के नए आयाम स्थापित कर सकेंगी।

चार श्रम संहिताओं के खिलाफ 1 अप्रैल को देशभर में मनेगा काला दिवस

छ.ग. फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। देश की श्रमिक राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। सेन्ट्रल ट्रेड यूनियनों, स्वतंत्र केंद्रीय फेडरेशनों एवं विभिन्न कर्मचारी संगठनों के संयुक्त आह्वान पर 1 अप्रैल को पूरे देश में काला दिवस मनाया जाएगा। यह विरोध केंद्र सरकार द्वारा लागू की जा रही चार नई श्रम संहिताओं के खिलाफ आयोजित किया जा रहा है, जिसे श्रमिक संगठनों ने अपने अधिकारों पर बड़ा खतरा बताया है। कोयलांचल क्षेत्र बिश्रामपुर समेत एसईसीएल के सभी खदान क्षेत्रों, वर्कशॉप्स और कार्यालयों में इस आह्वान का व्यापक असर देखने को मिलेगा। यहां कार्यरत हजारों कर्मचारी काले बैज और काली पट्टी बांधकर काम करते हुए अपना विरोध दर्ज कराएंगे। श्रमिक संगठनों के अनुसार नई श्रम संहिताओं के लागू होने से कर्मचारियों के पारंपरिक अधिकारों में कटौती की आशंका है। उनका कहना है कि इससे स्थायी रोजगार की सुरक्षा कमजोर हो सकती है ठेका प्रथा को बढ़ावा मिल सकता है। काम के घंटे और शर्तों में बदलाव संभव है, ट्रेड यूनियनों की ताकत पर असर पड़ सकता है।

यूनियन नेताओं का आरोप है कि इन कानून को बिना व्यापक सहमति के लागू किया जा रहा है, जिससे मजदूरों के हित प्रभावित होंगे। बिश्रामपुर क्षेत्र के कोयला खदानों में इस बार विरोध का तरीका अलग और प्रतीकात्मक होगा। कर्मचारी अपने-अपने कार्यस्थलों पर काम जारी रखते हुए काले बैज और पट्टियां पहनेंगे।

खदानों के अंदर, मशीनों की आवाज के बीच, काली पट्टियां श्रमिकों के मौन विरोध का प्रतीक बनेंगी। बताया जा रहा है कि सुबह की शिफ्ट से ही यह विरोध शुरू हो जाएगा, जिसमें मजदूर, तकनीकी कर्मचारी, अधिकारी और यूनियन पदाधिकारी शामिल होंगे। पिछले कुछ दिनों से विभिन्न श्रमिक संगठनों की लगातार बैठकें हो रही हैं। रणनीति तय की जा रही है कि किस तरह शांतिपूर्ण लेकिन प्रभावी तरीके से विरोध दर्ज कराया जाए। श्रमिक नेता अजय विश्वकर्मा ने कहा कि यह सिर्फ एक दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि श्रमिकों के भविष्य की लड़ाई है। हम सभी एकजुट होकर इस काला दिवस को सफल बनाएंगे और अपनी आवाज सरकार तक पहुंचाएंगे। यूनियनों ने साफ किया है कि आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा। किसी प्रकार का कार्य बाधित नहीं किया जाएगा, लेकिन विरोध का संदेश स्पष्ट और सशक्त होगा। कर्मचारियों से अपील की गई है कि वे अनुशासन बनाए रखते हुए बड़ी संख्या में इस अभियान में भाग लें।

नशीली टेबलेट का सप्लायर पकड़ाया अर्जुन मजखण्ड

रायपुर। कमिश्नरेट रायपुर के DCP सेंट्रल ज़ोन की अगुवाई में थाना सिविल लाइन पुलिस ने नशीली टेबलेट बिक्री के मामले में एक और आरोपी अर्जुन मजखण्ड (उर्फ चेनू) को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेजेस के आधार पर की गई, जिससे प्रकरण में संलिप्त अन्य आरोपियों तक पुलिस पहुंच सकी। जानकारी के अनुसार, आरोपी अर्जुन मजखण्ड सप्लायर के रूप में कार्यरत था और नशीली टेबलेट अवैध रूप से ग्राहक तक पहुंचाता था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1 नग मोबाइल फोन जप्त किया है। इससे पहले, इस प्रकरण में दो अन्य आरोपियों दुर्गेश महानंद उर्फ फुला और टाण्डन उर्फ हनी को गिरफ्तार किया जा चुका है। यह मामला 03 फरवरी 2026 का है, जब पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि थाना सिविल लाइन क्षेत्र, मुक्तिधाम न्यू 2 अंतिनगर के पास दो व्यक्ति अवैध रूप से नशीली टेबलेट रखकर बिक्री के उद्देश्य से ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं। पुलिस ने तुरंत रेड कार्रवाई करते हुए आरोपियों को पकड़ा और उनके कब्जे से 80 नग नशीली टेबलेट जप्त की। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में पुलिस ने फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेजेस की मदद से अन्य संलिप्त आरोपियों की पहचान की।

श्रीराम प्रकटोत्सव कथा का भव्य समापन, भक्ति और उल्लास से सराबोर हुआ जरही

छ.ग. फ्रंटलाइन जरही। दुर्गा पंडाल उर्जानगर में आयोजित श्रीराम प्रकटोत्सव कथा का समापन अत्यंत भव्य और भक्तिमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कई दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन ने पूरे क्षेत्र को राममय बना दिया, जहां हर ओर भक्ति, आस्था और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम के अंतिम दिन विधि-विधान के साथ हवन-पूजन सम्पन्न कराया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने आहुति देकर सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। कथा वाचक आचार्य द्वारा श्रद्धालुओं को रुद्राक्ष प्रदान कर आशीर्वाद दिया गया, जिससे सभी के चेहरे पर श्रद्धा और संतोष की झलक दिखाई दी। भजन-कीर्तन के माध्यम से भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भक्ति गीतों पर श्रद्धालु झूम उठे और पूरा पंडाल जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा। कार्यक्रम के दौरान फूलों की होली

खेली गई, जिसने माहौल को और भी रंगीन और आनंदमय बना दिया। श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे पर फूल बरसाकर प्रेम और सौहार्द का संदेश दिया। भक्ति के रंग में रंगे लोग संगीत की धुन पर नाचते-गाते नजर आए। हर उम्र के लोगों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम का आनंद लिया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्रमणि देवपाल पैकरा जी भी पूरे कार्यक्रम में शामिल रहीं। उनकी उपस्थिति से आयोजन की गरिमा और भी बढ़ गई। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए समिति के सभी सदस्यों की क्षेत्रवासियों ने जमकर सराहना की। सभी ने एक स्वर में कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में एकता और भक्ति का संदेश देते हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में दुर्ग जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर

दुर्ग। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के प्रभावी क्रियान्वयन में दुर्ग जिले ने राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। राज्य कार्यालय द्वारा 19 मार्च 2026 को जारी रैंकिंग के अनुसार, जिले में 93.3 प्रतिशत आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिनमें से 91.7 प्रतिशत किश्तें जारी कर दी गई हैं और 80.9 प्रतिशत आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। इसके साथ ही, मनरेगा मजदूरी भुगतान में भी जिला 88.5 प्रतिशत के औसत के साथ प्रदेश में पहले स्थान पर रहा है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशन और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे के मार्गदर्शन में योजना के सफल संचालन के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में, आवास निर्माण पूर्ण होने पर जिला पंचायत धमधा के 95, दुर्ग के 65 और पाटन के 31 लाभार्थियों को तीसरी किश्त की राशि हस्तांतरित की गई है।

खेलो इंडिया में निकिता ने रचा इतिहास, छत्तीसगढ़ को दिलाया पहला गोल्ड

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। छत्तीसगढ़ की बेटी निकिता ने राज्य को खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में पहला स्वर्ण पदक दिलाकर इतिहास रच दिया है। राजधानी रायपुर स्थित पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में निकिता ने महिला 77 किलोग्राम भारोत्तोलन वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 160 किलोग्राम वजन उठाकर प्रथम स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में निकिता ने स्नैच में 70 किलोग्राम तथा क्लीन एंड जर्क में 90 किलोग्राम वजन उठाया। दोनों ही वर्गों में उन्होंने संतुलित और प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ दिया। इस शानदार जीत के साथ उन्होंने न केवल स्वर्ण पदक अपने नाम किया, बल्कि छत्तीसगढ़ को खेलों में मजबूत शुरुआत भी दिलाई। प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर ओडिशा की श्रीमती जानी रहीं, जिन्होंने कुल 126 किलोग्राम वजन उठाया, जबकि तीसरा स्थान असम की जॉयश्री पाटिर को मिला, जिनका कुल प्रदर्शन 118 किलोग्राम रहा। निकिता की इस उपलब्धि से पूरे राज्य में खुशी की लहर दौड़ गई है। खेल प्रेमियों और अधिकारियों ने उनकी मेहनत, समर्पण और आत्मविश्वास की सराहना की है। यह जीत छत्तीसगढ़ के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और आने वाले मुकाबलों में राज्य के खिलाड़ियों का मनोबल और बढ़ाएगी। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में देशभर के जनजातीय प्रतिभागी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में निकिता का यह स्वर्ण पदक न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि छत्तीसगढ़ के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज हो गया है।

जशपुर सर्किट हाउस में सीएम ने किया मातृत्व वन का लोकार्पण

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज जशपुर सर्किट हाउस परिसर में विकसित मातृत्व वन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मातृत्व वन न केवल हरित क्षेत्र के रूप में विकसित होगा, बल्कि यह प्रकृति के प्रति भावनात्मक जुड़ाव का एक सशक्त प्रतीक भी है और आने वाले समय में पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता का केंद्र बनेगा। उल्लेखनीय है कि जशपुर मंडल द्वारा विकसित मातृत्व वन में लगभग 2 एकड़ क्षेत्र में 400 से अधिक विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया है, जो पर्यावरण

संरक्षण और सामाजिक संवेदनाओं के अद्वितीय समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस अवसर पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत जिले के जनप्रतिनिधियों द्वारा अपनी माताओं के नाम पर पौधरोपण किया गया, जिससे प्रकृति और परिवार के बीच भावनात्मक संबंध को और अधिक सुदृढ़ करने का संदेश दिया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने संबोधन में कहा कि माँ हमारे जीवन की प्रथम गुरु होती हैं और उनका स्थान सर्वोच्च होता है। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के माध्यम से हम माँ के प्रति सम्मान को प्रकृति से जोड़ने का एक सार्थक प्रयास कर रहे हैं। यह पहल आने वाली पीढ़ियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ सामाजिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करेगी।

उन्होंने कहा कि मातृत्व वन जैसी पहल न केवल हरित क्षेत्र के विस्तार में सहायक होगी, बल्कि समाज में संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करेंगी। मातृत्व वन के अंतर्गत पर्यावरणीय एवं औषधीय दृष्टि से महत्वपूर्ण पौधों का चयन कर उनका रोपण किया गया है। इनमें टिकोमा, झारुल, सीताअशोक, गुलमोहर, लक्ष्मीतरु, आंवला, बीजा, सिन्दूर, नागकेसरी, अर्जुन एवं जामुन जैसी प्रजातियाँ प्रमुख हैं। ये पौधे न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक होंगे, बल्कि भविष्य में औषधीय उपयोग एवं जैव विविधता के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मातृत्व वन की स्थापना का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, माताओं के प्रति सम्मान को प्रकृति के माध्यम से अभिव्यक्त करना तथा नई पीढ़ी में संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। यह पहल 'हर घर एक पेड़, हर पेड़ में माँ की ममता' के संदेश को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष रामप्रताप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, नगर पालिका उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जूदेव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, जनपद पंचायत अध्यक्ष गंगाराम भगत, विजय आदित्य सिंह जूदेव सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कर्नाटक का खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में दबदबा कायम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के तीसरे दिन कर्नाटक ने अंतर्राष्ट्रीय स्विमिंग पूल में शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक तालिका में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। कर्नाटक 10 से अधिक स्वर्ण पदक जीतने वाला पहला राज्य बन गया है। तीसरे दिन के अंत तक कर्नाटक को कुल 13 स्वर्ण, 5 रजत और 1 कांस्य पदक हो गए हैं, जिनमें सभी स्वर्ण पदक तैराकी स्पधाओं से प्राप्त हुए हैं।

मणिकांता एल का जलवा अकेले जीते आठ स्वर्ण

कर्नाटक के स्टार तैराक मणिकांता एल ने लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीसरे दिन दो स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किए। अब तक वे कुल आठ स्वर्ण पदक जीतकर प्रतियोगिता के सबसे सफल खिलाड़ी बन चुके हैं और कर्नाटक की बढ़त को मजबूत करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

पदक तालिका में प्रतिस्पर्धा तेज

पदक तालिका में ओडिशा 6 स्वर्ण, 2 रजत और 9 कांस्य के साथ दूसरे स्थान पर बना हुआ है, जबकि असम 2 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य पदकों के साथ तीसरे स्थान पर है। मेजबान छत्तीसगढ़ 3 रजत और 3 कांस्य सहित कुल 6 पदकों के साथ त्रिपुरा के साथ संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर बना हुआ है।

मेजबान छत्तीसगढ़ का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

मेजबान छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने तीसरे दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य के लिए एक रजत और दो कांस्य पदक जीते। अनुष्का भगत ने महिलाओं की 50 मीटर बेकस्ट्रोक स्पर्धा में रजत पदक जीतकर प्रतियोगिता में अपना तीसरा रजत हासिल किया, जबकि निखिल जाल्को ने पुरुषों की 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में कांस्य पदक जीता। वहीं न्यासा पैकरा ने 100 मीटर बटरफ्लाई में कांस्य पदक जीतकर राज्य का गौरव बढ़ाया।

महाराष्ट्र और अरुणाचल प्रदेश ने खोला स्वर्ण खाता

तीसरे दिन महाराष्ट्र और अरुणाचल प्रदेश ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना स्वर्ण खाता खोला। महाराष्ट्र की तन्वी धुर्वे ने महिलाओं की 100 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतते हुए उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की, जबकि अरुणाचल प्रदेश की अनाई वांगसू ने 58 किग्रा वर्ग में तथा रिचिन चोंगरुजू ने 79 किग्रा वर्ग में वेटलिफ्टिंग में स्वर्ण पदक जीतकर राज्य का नाम रोशन किया।

वेटलिफ्टिंग में दमदार प्रदर्शन

वेटलिफ्टिंग स्पधाओं में भी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अरुणाचल प्रदेश की अनाई वांगसू ने 169 किलोग्राम वजन उठाकर 58 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि ओडिशा की बिदु स्मिता भोई ने 63 किग्रा वर्ग में 195 किलोग्राम के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। पुरुष वर्ग में मिजोरम के एमएच सिलवान बेहरोथतलो ने 71 किग्रा वर्ग में स्वर्ण जीता, जबकि अरुणाचल प्रदेश के रिचिन चोंगरुजू ने 79 किग्रा वर्ग में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

तैराकी स्पधाओं में रोमांचक मुकाबले

तैराकी स्पधाओं में खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। महिलाओं की 50 मीटर बेकस्ट्रोक स्पर्धा में कर्नाटक की मेघांजलि ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि छत्तीसगढ़ की अनुश्का भगत को रजत प्राप्त हुआ। पुरुष वर्ग में मणिकांता एल ने 50 मीटर बेकस्ट्रोक और 100 मीटर बटरफ्लाई में स्वर्ण जीतकर शानदार प्रदर्शन किया, वहीं 50 मीटर फ्रीस्टाइल में कर्नाटक के धूनीश एन ने स्वर्ण पदक हासिल किया।

देशभर से खिलाड़ियों की भागीदारी

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के प्रथम संस्करण में 30 राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 3800 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, वेटलिफ्टिंग और कुश्ती सहित कुल 106 स्वर्ण पदक दांव पर हैं, जबकि मल्लखंभ एवं कबड्डी प्रदर्शन खेल के रूप में शामिल हैं।

आगे और रोमांचक मुकाबलों की उम्मीद

तीन दिनों के बाद 14 राज्यों ने कम से कम एक पदक जीत लिया है, जबकि 6 राज्यों ने स्वर्ण पदक हासिल किए हैं। प्रतियोगिता के आगामी दिनों में और अधिक रोमांचक एवं प्रतिस्पर्धात्मक मुकाबलों की उम्मीद जताई जा रही है।

डायोसिस बोर्ड ऑफ एजुकेशन के चुनाव शांतिपूर्ण रूप से संपन्न, नई समिति का गठन

निष्पक्ष चुनाव के बाद बनी नई प्रबंधन समिति, शिक्षा व्यवस्था होगी सुदृढ़

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ एजुकेशन के चुनाव कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह एवं जिला प्रशासन रायपुर के मार्गदर्शन में शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हुए। यह चुनाव कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित किया गया, जिसमें जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही। मसीही समाज के प्रतिनिधियों ने चुनाव प्रक्रिया के सफल संचालन के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन के सहयोग से लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान संभव हो सका है। चुनाव प्रक्रिया के दौरान अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, एसडीएम श्रीमती तुलसी राठौर, जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारती सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति रही। पूरी प्रक्रिया निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराई गई। चुनाव उपरांत नई प्रबंधन समिति का गठन किया गया जिसमें द राइट रेव्ह सुषमा कुमार को पदेन चेयरमैन, नितिन लॉरेंस को उपाध्यक्ष, जयदीप रॉबिन्सन को सचिव एवं प्रवीण मसीह को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया एवं अमित दास, रेव्ह समीर फ्रैंकलिन, श्रीमती तनुजा पॉल को सदस्य मनोनीत किया गया। नवगठित समिति ने संस्था के सुचारू संचालन एवं शैक्षणिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया है। समिति ने स्पष्ट किया कि बच्चों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

कोलमैन की प्रतिमा का उद्योग मंत्री ने किया अनावरण

मिनी गार्डन का लोकार्पण, सड़क डिवाईडर प्लांटेशन जनसेवा में हुआ समर्पित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने कोलमैन की प्रतिमा का अनावरण किया। सिविल लाईन में मिनी गार्डन का लोकार्पण भी किया गया। इसी प्रकार पुष्पलता उद्यान के सामने सड़क डिवाईडर प्लांटेशन जनसेवा में समर्पित हुआ। इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत उपस्थित थी। उल्लेखनीय है कि नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा शहर की व्यवस्थाओं का सुव्यवस्थित करने के साथ-साथ शहर का सौदंर्यीकरण कर इसे संजाने, संवारने की दिशा में नित नये

आयाम स्थापित किये जा रहे हैं, एक ओर जहां शहर की स्वच्छता पर पूरा फोकस रखा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर थीम आधारित पेंटिंग, चित्रकारी, लघु उद्यानिकी थीम आधारित रोड साईड प्लांटेशन पर कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में नगर निगम द्वारा दर्री बराज पुल के समीप कोलमैन की प्रतिमा स्थापित कराई गई है। इसी प्रकार निगम द्वारा सिविल लाईन में निगम आयुक्त के बंगले के समीप मिनी गार्डन बनाया गया है, जिसका लोकार्पण भी उद्योग मंत्री व महापौर के करकमलों से सम्पन्न हुआ। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा शहर के रोड डिवाईडरों में मल्टीकलर फूलों के पौधे रोपित कर डिवाईडरों को मल्टीकलर फूलों से सजाने संवारने का कार्य भी हो रहा है, इस कड़ी में निगम द्वारा सुभाष चौक पुष्पलता उद्यान से कोसाबाड़ी की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित रोड डिवाईडर में इमोजी थीम के अंडाकार गमलों में वोगनबेलिया तथा यूफारविया मल्टीकलर फूलों के पौधे लगाये गये हैं, इन्हें भी आज जनसेवा में समर्पित किया गया। इस मौके पर निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय, सभापति नूतन सिंह ठाकुर, पार्षद अशोक चावलानी, अजय गोंड़, पंकज देवांगन, वैभव शर्मा, नरेन्द्र पाटनवार, आकाश श्रीवास्तव, मनोज सिंह राजपूत, अनिल यादव, उद्यान अधीक्षक आनंद सिंह राठौर, सहायक अभियंता राहुल मिश्रा, अरूण मिश्रा आदि के साथ अन्य अधिकारी कर्मचारीगण व जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

37 बटुक का होगा सामूहिक उपनयन संस्कार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। कान्यकुब्ज सभा-शिक्षा मंडल बैरन बाजार स्थित आशीर्वाद भवन में सर्व ब्राह्मण समाज के बटुकों के लिए सामूहिक उपनयन संस्कार का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन वैदिक रीति-रिवाजों के साथ विद्वान आचार्यों के मार्गदर्शन में संपन्न होगा। संस्था के अध्यक्ष सुरेश मिश्रा और सचिव राजकुमार दीक्षित ने बताया कि इस संस्कार में प्रदेश के विभिन्न जिलों-रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, महासमुंद, बिलासपुर, बलौदा बाजार, भाटापारा और बस्तर से लगभग 37 बटुक शामिल होंगे। कार्यक्रम को सुव्यवस्थित बनाने के लिए आयोजन समिति की बैठक आयोजित कर विभिन्न जिम्मेदारियां तय की गई हैं। कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु शशिकांत मिश्रा को संयोजक बनाया गया है, जबकि सह-संयोजक के रूप में प्रमोद कुमार मिश्रा और अनुराग पांडेय सहित अन्य सदस्य जिम्मेदारी निभाएंगे। आयोजन में समाज के पदाधिकारी, संरक्षकगण, महिलाएं और बटुकों के अभिभावक भी बड़ी संख्या में शामिल रहेंगे। यह सामूहिक संस्कार सामाजिक एकता और परंपराओं के संरक्षण का महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है। बैठक में अध्यक्ष सुरेश मिश्रा, सचिव राज कुमार दीक्षित संरक्षक द्वय गिरजा शंकर दीक्षित, राज कुमार अवस्थी, शशिकांत मिश्रा संयोजक उपनयन समिति, सह-संयोजक - प्रमोद कुमार मिश्रा, अनुराग पाण्डेय, प्रकाश अवस्थी, अशोक दीक्षित, आशीष बाजपेयी, लखन लाल बाजपेयी, श्रीमती गीता मिश्रा, श्रीमती अर्चना मिश्रा, श्रीमती अंजू पाण्डेय, श्रीमती स्वाति अवस्थी, श्रीमती रंजू त्रिवेदी, श्रीमती ममता त्रिवेदी, सत्यदेव तिवारी, राजेश त्रिवेदी, प्रभात मिश्रा (जूनियर) सहित बटुकों के अभिभावक उपस्थित रहें।

मरीज के ईलाज के लिए सांसद पांडेय ने दिलाई तीन लाख की वित्तीय सहायता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कवर्धा। क्षेत्रीय सांसद संतोष पांडेय ने एक बार फिर अपनी संवेदनशीलता दिखाते हुए गंभीर बीमारी से ग्रसित एक मरीज के ईलाज हेतु तीन लाख रुपए की वित्तीय सहायता दिलाई है। कवर्धा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम झलका के निवासी दिनेश मोहले की एक किडनी खराब हो गयी है। इनका उपचार बालाजी हॉस्पिटल रायपुर में चल रहा है। चिकित्सक द्वारा किडनी ट्रांसप्लांट की सलाह दिया गया है। ये आर्थिक रूप से बहुत कमजोर है। इन्होंने क्षेत्रीय सांसद संतोष पांडेय से मुलाकात कर अपनी समस्या से अवगत कराया और ईलाज हेतु सहायता की गुहार लगाई। सांसद संतोष पांडेय ने तत्काल संवेदनशीलता दिखाते हुए 14 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मरीज दिनेश मोहले के किडनी ट्रांसप्लांट कराने हेतु प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से वित्तीय सहायता प्रदान करने का आग्रह किया था। इसके बाद उक्त मरीज के ईलाज हेतु प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से तीन लाख रुपए की की वित्तीय सहायता प्रदान की है। इस राशि से मरीज के ईलाज में सहायता मिलेगी। इससे पहले भी सांसद पांडेय कई मरीजों के ईलाज हेतु वित्तीय सहायता दिला चुके हैं। मरीज के परिजनों ने उक्त सहायता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व सांसद संतोष पांडेय का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया।

स्वदेशी अपनाने से मजबूत होगी देश की अर्थव्यवस्था - उपमुख्यमंत्री शर्मा

उपमुख्यमंत्री ने कवर्धा में किया स्वदेशी मेला का उद्घाटन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कवर्धा के पीजी कॉलेज मैदान में आयोजित भव्य स्वदेशी मेला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी मेला स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और लोगों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों ने स्वदेशी मेला में लगे प्रदर्शनी एवं विक्रय स्टॉलों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण कर स्थानीय उत्पादों की जानकारी ली और उनके निर्माण एवं विशेषताओं के बारे में विस्तार से जाना। 27 मार्च से 2 अप्रैल तक आयोजित इस मेले में स्वदेशी वस्तुओं के कई स्टॉल लगाए गए हैं, जहां स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन और विक्रय किया जा रहा है। भारतीय विपणन विकास केंद्र स्वदेशी जागरण फाउंडेशन की इकाई द्वारा आयोजित यह मेला स्थानीय प्रतिभाओं और स्वदेशी उत्पादों को मंच प्रदान कर रहा है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मेले में लगे सभी स्टॉल भारत में निर्मित उत्पादों के हैं, जो स्वदेशी भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि देश की बड़ी जनसंख्या के अनुसार हमारा बाजार भी बहुत बड़ा है और यदि हम अपने ही बाजार का सही उपयोग करें, तो अपनी आर्थिक स्थिति के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्य केवल सरकार के माध्यम से नहीं, बल्कि समाज के माध्यम से संभव है। समाज एक बहुत बड़ी ताकत है और यदि समाज के लोगों में स्वदेशी अपनाने का भाव जागृत हो जाए, तो बड़े परिवर्तन संभव हैं। उपमुख्यमंत्री ने जापान जैसे देशों का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां के लोग अपने ही देश में निर्मित वस्तुओं का उपयोग करते हैं, जिससे उनकी अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। इसी प्रकार हमें भी स्वदेशी को अपनाते हुए देश में निर्मित उत्पादों का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए।

स्वदेशी मेले में बॉलीवुड की पार्श्व गायिका ऐश्वर्या पंडित ने बांधा समां

मेला के शुभारंभ अवसर पर बॉलीवुड की पार्श्व गायिका ऐश्वर्या पंडित ने अपनी शानदार प्रस्तुति दी। उन्होंने हिंदी गीतों की मधुर प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरे वातावरण को संगीतमय बना दिया। उल्लेखनीय है कि जिले में स्वदेशी मेला 27 मार्च से 2 अप्रैल तक संचालित किया जायेगा। मेले के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जा रहा है, इसमें विशेष रूप से बच्चों और महिलाओं के लिए आयोजित प्रतियोगिताएं उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान कर रही हैं। इस आयोजन के माध्यम से महिलाओं को शिक्षा, कौशल विकास और आत्मनिर्भरता से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे उन्हें सीखने, आगे बढ़ने और आत्मविश्वास विकसित करने का बेहतर अवसर मिल रहा है।

राज्य सरकार ने बढ़ाया कमर्शियल एलपीजी कोटा, होटल-रेस्टोरेंट को अब ज्यादा गैस

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। एलपीजी सिलेंडर की उपलब्धता को लेकर छत्तीसगढ़ सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद कमर्शियल गैस सिलेंडर के वितरण कोटे में बढ़ोतरी की घोषणा की गई।

सप्लाई कोटा में 20 प्रतिशत की वृद्धि

सरकार ने कमर्शियल एलपीजी सप्लाई में 20 प्रतिशत की वृद्धि की है। इसके बाद अब होटल, कैंटीन और रेस्टोरेंट जैसे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को 70% तक गैस सप्लाई मिल सकेगी, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

कमी से किया इनकार

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य में पेट्रोल, डीजल और गैस की कोई कमी नहीं है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराहट में अतिरिक्त स्टॉक न करें।

पर्याप्त भंडार होने पर बढ़ा कोटा

इससे पहले केंद्र के निर्देश पर घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देते हुए व्यावसायिक संस्थानों के लिए गैस आपूर्ति 50% तक सीमित की गई थी। अब पर्याप्त भंडार होने के कारण इस कोटे को बढ़ाया गया है।

गैस सिलेंडर की कालाबाजारी पर सख्त

सरकार ने गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी पर भी सख्त कार्रवाई की है। 25 मार्च तक 335 जगहों पर छापेमारी की गई, 75 मामले दर्ज हुए, 3841 सिलेंडर जब्त किए गए और 97 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। सरकार के इस फैसले से व्यावसायिक गतिविधियों को गति मिलने के साथ आम लोगों को भी राहत मिलने की उम्मीद है।

सम्पादकीय

तेल-गैस की कमी नहीं अफवाहों पर ध्यान न दें

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध से खाड़ी देशों में हुए तनाव के कारण दुनिया में तेल और गैस का संकट बना हुआ है। हालांकि भारत में ऐसे हालात नहीं हैं, लेकिन यह जरूरी है कि लोग तेल और गैस की जमाखोरी न करें, ताकि सप्लाई चेन बनी रहे। जमाखोरी पर अंकुश लगने से ज्यादा से ज्यादा लोगों तक आपूर्ति बनी रहेगी और लोग पैनिक नहीं होंगे। जमाखोरी से अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो जाता है और अफवाहें फैलती हैं। इससे दिक्कतें आती हैं। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का असर तेल और गैस की कीमतों और आपूर्ति पर पड़ता है, परंतु यह मान लेना कि देश में इनकी कमी हो गई है, पूरी तरह से भ्रामक है। ऐसे समय में सबसे बड़ी चुनौती वास्तविक संकट नहीं, बल्कि अफवाहों और उससे उपजी पैनिक की स्थिति होती है। भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि देश में पेट्रोलियम पदार्थों की पर्याप्त उपलब्धता है और सप्लाई चेन को बनाए रखने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। विभिन्न स्रोतों से कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। रूस, अर्जेंटीना और ईरान जैसे देशों से आयात बढ़ाकर भारत ने अपने ऊर्जा स्रोतों को विविध बनाया है, जिससे किसी एक क्षेत्र में तनाव का सीधा असर देश की ऊर्जा जरूरतों पर न पड़े। इसके बावजूद, कुछ स्थानों पर पेट्रोल पंपों पर भीड़ या गैस सिलेंडर की अधिक मांग देखने को मिलती है। यह स्थिति वास्तविक कमी के कारण नहीं, बल्कि अफवाहों और जमाखोरी की प्रवृत्ति के कारण उत्पन्न होती है। जब लोग यह मान लेते हैं कि आगे चलकर कमी हो सकती है, तो वे जरूरत से ज्यादा खरीदने लगते हैं। इससे अस्थायी रूप से सप्लाई प्रभावित होती है और फिर यही स्थिति अफवाहों को और हवा देती है। इस तरह एक कृत्रिम संकट पैदा हो जाता है, जो वास्तव में मौजूद नहीं होता। जमाखोरी केवल व्यक्तिगत स्तर पर नहीं, बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी हानिकारक है। यह न केवल अन्य लोगों के अधिकारों का हनन करती है, बल्कि पूरे सिस्टम पर दबाव डालती है। यदि हर व्यक्ति अपनी जरूरत के अनुसार ही खरीदारी करे, तो उपलब्ध संसाधन आसानी से सभी तक पहुंच सकते हैं। इसलिए इस समय जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय देना अत्यंत आवश्यक है। केंद्र और राज्य सरकारें लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और समय-समय पर लोगों को अपडेट दे रही हैं। आपूर्ति बाधित न हो, इसके लिए वैकल्पिक मार्गों और साधनों का उपयोग किया जा रहा है। ईरान द्वारा भारतीय जहाजों के लिए मार्ग खोलना भी एक सकारात्मक संकेत है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत के हितों का ध्यान रखा जा रहा है। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर भी स्थिति में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिका के रुख में नरमी और कूटनीतिक प्रयासों के चलते उम्मीद की जा रही है कि यह तनाव जल्द ही कम होगा। जैसे ही हालात सामान्य होंगे, ऊर्जा बाजार में स्थिरता लौट आएगी। कीमतों और आपूर्ति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। मीडिया और सोशल मीडिया की भूमिका भी इस समय महत्वपूर्ण हो जाती है। गलत सूचनाएं और अपुष्ट खबरें लोगों में भय पैदा करती हैं। इसलिए आवश्यक है कि लोग केवल विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही भरोसा करें और किसी भी अफवाह को बिना जांचे-परखे आगे न बढ़ाएं। जागरूकता और संयम ही इस स्थिति से निपटने का सबसे प्रभावी तरीका है।

मुद्दा
अवधेश कुमार

मध्य पूर्व में दुश्मनी खत्म करने का न्यूनतम अर्थ इजराइल राष्ट्र को औपचारिक रूप से स्वीकार करना या मान्यता देना, यरुशलम को उसकी राजधानी मानना तथा अरब देशों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। ये कितने कठिन हैं बताने की आवश्यकता नहीं। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ही इसका बड़ा लक्ष्य इजराइल का राष्ट्र के रूप में अस्तित्व समाप्त करना है। क्या इस्लामिक राज्य अपने लक्ष्य को छोड़ देगा? क्या येरूसलम पर कब्जा और अल अक्सा मस्जिद को इस्लामी शासन के अंतर्गत लाने के उद्देश्य का परित्याग कर देगा? शिया इस्लामी देश को सर्व शक्तिशाली यानी हर स्तर की सैन्य शक्ति को विस्तारित करने की प्रक्रिया पर विराम लगा देगा?

ईरान पर ट्रंप की घोषणा को कैसे लें

ईरान से जारी युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्रूथ सोशल पर तत्काल हमले रोकने और बातचीत के पोस्ट से दुनिया में हलचल मच गई। ट्रंप का पोस्ट सामने आने के साथ ईरान का किसी प्रकार की बातचीत से इनकार करने का बयान कई प्रश्न खड़ा करता है। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पिछले दो दिनों में, अमेरिका और ईरान देश के बीच, मध्यपूर्व में हमारी दुश्मनी को पूरी तरह से खत्म करने के बारे में बहुत अच्छी और काम की बातचीत हुई है। इन गहरी, विस्तृत और रचनात्मक बातचीत के अंदाज और लहजे के आधार पर जो पूरे हफ्ते जारी रहेंगी। मैंने युद्ध विभाग को निर्देश दिया है कि वे ईरान के पावर प्लांट और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर किसी भी तरह के सैन्य हमले को पांच दिनों के लिए टाल दें। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि चल रही बैठकें और बातचीत कितनी सफल रहती हैं।" इस तरह के पोस्ट से सहसा यह संदेश जाएगा ही कि अमेरिका ने युद्ध रोक दिया है और बातचीत इस अवस्था में पहुंची है कि युद्धविराम हो जाएगा। किंतु यह पोस्ट ही बहुत कुछ कहता है। पोस्ट के बावजूद अमेरिका की ओर से ईरान पर हमले हो रहे हैं और दोनों लड़ रहे हैं। इस पोस्ट में युद्धविराम शब्द का उल्लेख नहीं है।

ध्यान रखिए, ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी थी कि वह हार्मूज जलडमरुमध्य को मुक्त करे अन्यथा 48 घंटे बाद उसके ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले होंगे। इसे ही उन्होंने इस पोस्ट के जरिए 5 दिन आगे बढ़ाया। इसमें अगले 5 दिन केवल बिजली और ऊर्जा प्रतिष्ठान पर हमले न करने की बात है। दूसरे, इसमें मध्यपूर्व में दुश्मनी खत्म करने पर बातचीत का अर्थ व्यापक है। मध्य पूर्व में दुश्मनी खत्म करने का न्यूनतम अर्थ इजराइल राष्ट्र को औपचारिक रूप से स्वीकार करना या मान्यता देना, यरुशलम को उसकी राजधानी मानना तथा अरब देशों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। ये कितने कठिन हैं बताने की आवश्यकता नहीं। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ही इसका बड़ा लक्ष्य इजराइल का राष्ट्र के रूप में अस्तित्व समाप्त करना है। क्या इस्लामिक राज्य अपने लक्ष्य को छोड़ देगा? क्या येरूसलम पर कब्जा और अल अक्सा मस्जिद को इस्लामी शासन के अंतर्गत लाने के उद्देश्य का परित्याग कर देगा? शिया इस्लामी देश को सर्व शक्तिशाली यानी हर स्तर की सैन्य शक्ति को विस्तारित करने की प्रक्रिया पर विराम लगा देगा? ट्रंप प्रशासन की ओर से दिया गया 15 सूत्री प्रस्ताव इसी की पुष्टि करता है। इसे स्वीकार करने का मतलब होगा ईरान इजराइल केंद्रित अपने सभी गतिविधियां समाप्त करेगा तथा न्यूक्लियर कार्यक्रम एवं सैन्य शक्ति के लिए अमेरिका की इच्छा अनुसार ही आगे काम कर पाएगा। ऐसा करने का मतलब इस्लामी देश के रूप में ईरान को विसर्जित करना होगा। इजरायल को मान्यता दिलाने के लिए ट्रंप ने पहले कार्यकाल में अब्राह्मिक समझौता का प्रारूप लाया था, जिसे कुछ अरब देशों ने स्वीकार किया है। ईरान का इस्लामी शासन इसे स्वीकारने को तैयार नहीं रहा है। कुछ विश्लेषकों का मत है कि ट्रंप पर आंतरिक दबाव है, क्योंकि युद्ध के खर्चे से अर्थव्यवस्था पर उल्टा प्रभाव हो रहा है। चूंकि युद्ध संपूर्ण विश्व को दुष्प्रभावित कर रहा है इसलिए अधिकतर देश इसका अंत चाहते हैं। अमेरिका

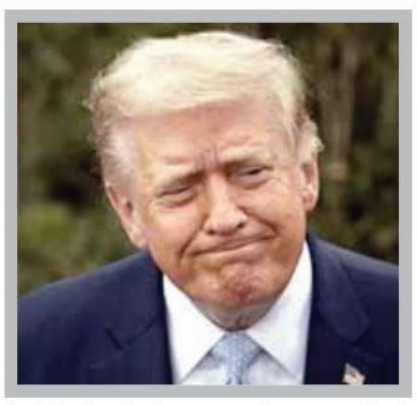

में लोगों को संदेह है कि ट्रंप आगे कर लगाएंगे और महंगाई बढ़ेगी। उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस से 200 अरब डॉलर की मांग की है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि यह युद्ध के लिए नहीं, पहले से प्रस्तावित है और पूरक है। युद्ध का व्यय है और यह सामान्य नहीं हो सकता, लेकिन दबाव अमेरिका पर होगा और ईरान पर नहीं यह तर्क हास्यास्पद है। डेढ़ दशक से ज्यादा के प्रतिबंधों के कारण ईरान की अर्थव्यवस्था खस्ताहाल है। युद्ध ने ईरान द्वारा विनाशकारी हथियारों के निर्माण और मिसाइल कार्यक्रम को अनुमान से काफी अधिक विस्तार के आरोपों को सही साबित किया है। अगर वह दियागो गार्सिया में चार हजार किलोमीटर से ज्यादा तक मिसाइल हमले कर सकता है तो इसका अर्थ है ईरान के शास्त्रस्त्रों को लेकर अनेक रक्षा विश्लेषक अमेरिका को झूठा साबित करने की कोशिश कर रहे थे वे सही नहीं थे। इस दृष्टि से भी अमेरिका के लिए उसको कमजोर करना अपरिहार्य हो गया है अन्यथा अरब देश भी रक्षा के लिए नाभिकीय हथियारों की सीमा तक जाने की कोशिश कर सकते हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने ट्रंप के पोस्ट के तीन दिनों पहले कहा था कि उनका युद्ध अमेरिका से अलग है। इजराइल द्वारा ईरान के सबसे बड़े गैस केंद्र वेस्टर्न पोर्स पर हमले की आलोचना के बीच ट्रंप ने कहा था कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी। इसके बाद बेंजामिन नेतान्याहू ने बयान दिया था। इसका अर्थ है कि अमेरिका कभी हमले रोकने या युद्ध न करने की घोषणा करे दे तो भी इजराइल उसका अनुपालन करने को बाध्य नहीं है। हालांकि अमेरिका युद्ध न करने का दबाव बना दे तो इजरायल ऐसा कर नहीं सकता किंतु जहां उसके राष्ट्र के अस्तित्व का प्रश्न हो तो कोई उसे कैसे रोक सकता है। युद्ध के कुछ समय तक ट्रंप अकेले पड़े थे । ट्रंप के पोस्ट के पहले कुछ स्थितियां भी बदलीं। उन्होंने नाटो के साथ जापान, चीन आदि देशों से हौर्मूज को खुलवाने में आगे आने की अपील किया था। पहले इसमें आनाकानी थी, पर 22 देशों ने संयुक्त बयान जारी कर ईरान को चेतावनी दिया कि वह हौर्मूज में जहाजों का मुक्त आवागमन कायम करें। साफ कहा गया है कि सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2817 के अंतर्गत समुद्र में स्वतंत्र नेविगेशन अधिकार है। इस चेतावनी का मतलब ईरान ऐसा नहीं करता तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी । इन 22 देशों में फ्रांस , ब्रिटेन, जर्मनी, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया आदि शामिल हैं। इनमें ब्रिटेन को छोड़ कोई युद्ध में ट्रंप के साथ नहीं था। 22 में अरब के केवल दो प्रमुख देश सऊदी अरब और बहरीन हैं। इसके पहले 12 इस्लामी देशों ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद में बैठक कर संयुक्त बयान जारी किया जिसमें ईरान द्वारा इस्लामी देशों पर हमले रोकने को कहा। तो यह कहना कि अमेरिका पर दबाव है और ईरान पर नहीं यह ग़लत है। इस्लामी देशों के साथ 22 देशों का बयान ईरान को ही कठघरे में खड़ा करता है। दोनों बयानों में अमेरिका या इजराइल के लिए आलोचना का एक शब्द नहीं है। ईरान हौर्मूज और पड़ोसी देशों पर हमले को लेकर अकेला पड़ चुका है। उसके सर्वोच्च नेताओं की बड़ी संख्या मारी जा चुकी है। यह स्थिति न अमेरिका की है और न इजराइल की। ईरान ने इस्लामी शासन को भी शीर्ष से नीचे तक इतनी परिधियों में निर्मित किया है कि उनका ध्वस्त हो जाना अत्यंत कठिन है। अमेरिका तथा इजरायल अभी इस लक्ष्य की ओर शायद ही बढ़ें। किंतु वे सत्ता को इतना दुर्बल अवश्य बनना चाहेंगे ताकि आंतरिक विद्रोह के कारण परिवर्तन की संभावना सशक्त हो और उसमें उनकी भूमिका हो। इसे समझने वालों का निष्कर्ष यही होगा कि ट्रंप के पोस्ट को एकाएक युद्ध रोकने के रूप में नहीं लिया जाए। संभव है उनकी रणनीति हो।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

राजनीति

अम्बरीष प्रजापति

अमेरिका और ट्रंप के बयानों के इर्द-गिर्द विपक्ष की राजनीति

लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच वैचारिक मतभेद होना न केवल स्वाभाविक है, बल्कि यह एक जीवंत शासन व्यवस्था का लक्षण भी है। परंतु, राजनीति की एक मर्यादा रेखा वहां खिंच जानी चाहिए जहां देश की विदेश नीति और प्रधानमंत्री की अंतरराष्ट्रीय छवि का प्रश्न हो। हाल के वर्षों में भारतीय राजनीति में एक चिंताजनक प्रवृत्ति देखी गई है। विदेशी नेताओं के दावों या अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को आधार बनाकर अपने ही देश के नेतृत्व पर प्रहार करना। यह प्रवृत्ति न केवल कूटनीतिक समझ पर प्रश्न चिह्न खड़ा करती है, बल्कि अनजाने में उन विदेशी ताकतों के हाथ मजबूत करती है जो भारत को एक विभाजित राष्ट्र के रूप में देखना चाहती हैं। अमेरिकी राजनीति अपनी विशिष्ट शैली के लिए जानी जाती है। जहां नेता अक्सर घरेलू मतदाताओं को लुभाने के लिए अतिशयोक्ति पूर्ण दावे करते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह दावा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया, इसी श्रृंखला का हिस्सा था। विडंबना यह है कि जब स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के पवित्र पटल पर इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया, तब भी विपक्ष ने एक विदेशी नेता के इस बयान को पत्थर की लकीर मान लिया। विपक्ष द्वारा प्रधानमंत्री के लिए बारबार'सरेंडर' या 'कॉम्प्रोमाइज्ड' जैसे शब्दों का प्रयोग करना राजनीतिक अपरिपक्वता दर्शाती है। विचारणीय प्रश्न यह है कि क्या भारत जैसा परमाणु शक्ति संपन्न और विश्व की उभरती आर्थिक महाशक्ति किसी एक फोन कॉल पर अपनी रक्षा रणनीतियों से समझौता कर सकता है? विदेशी धरती से आने वाले बयानों पर मुग्ध होकर अपने ही नेतृत्व पर कीचड़ उछालना न तो लोकतंत्र के हित में है और न ही राष्ट्र के स्वाभिमान के। आज की वैश्विक परिस्थितियों को देखें तो विपक्ष के तर्कों की खोखली बुनियाद स्वतः स्पष्ट हो जाती है। जो अमेरिका व ईरान के साथ युद्ध में संघर्ष की स्थिति में है, जिसे नाटो देशों से मदद की गुहार लगानी पड़ी है और जो धमकियां देने के बावजूद युद्ध के मैदान में अनिर्णय की स्थिति में है, क्या वह वास्तव में इस स्थिति में है कि भारत जैसे देश पर अपनी मर्जी थोप सकें? जो स्वयं संकट के समाधान के लिए सहयोगियों की बाट जोह रहा हो, उसके बयानों को आधार बनाकर मोदी सरकार को कॉम्प्रोमाइज्ड कहना तर्कहीनता है। ईरान-अमेरिका संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा को हिलाकर रख दिया है। दुनिया भर में तेल और गैस की आपूर्ति बाधित है, लेकिन इस भीषण संकट के बीच भी भारत का सुरक्षित रास्ता निकालना एक बड़ी कूटनीतिक विजय है। यदि भारतीय नेतृत्व वास्तव में 'कॉम्प्रोमाइज्ड' होता, तो होर्मुज जलक्षेत्र से हमारे जहाज शिवालिक और नंदा को सुरक्षित रास्ता कभी न मिलता। वहीं, शिवालिक और नंदा जहाज एलपीजी गैस लेकर भारत पहुंच भी गए। यह किसी दबाव का नहीं, बल्कि भारत की कूटनीतिक रणनीति और विदेश नीति का परिणाम है। कूटनीति में रियायतें कमजोरी से नहीं, बल्कि सामर्थ्य से हासिल की जाती हैं। यह बेहद संवेदनशील विषय है कि जब-जब विदेशी मंचों से भारत के विरुद्ध कोई भ्रामक नैरेटिव गढ़ा जाता है, तब हमारा विपक्ष उसी भाषा में प्रतिध्वनि करने लगता है। प्रधानमंत्री के लिए वोट चोर, सरेंडर, कॉम्प्रोमाइज्ड जैसे शब्द विशेषणों का उपयोग अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की छवि को ही धुंधला करता है। संकट के समय जब दुनिया भारत की कूटनीतिक कुशलता को देख रही है, तब अपने ही घर में इस तरह की बयानबाजी प्रतिद्वंद्वी देशों के एजेंडे को हवा देती है। राजनीति में विरोध मुद्दों पर होना चाहिए, विदेशी दुष्प्रचार पर नहीं। कूटनीतिक सफलताएं किसी एक दल की नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की होती हैं। जब हम अपने संस्थानों और संवैधानिक पदों की गरिमा को विदेशी चश्मे से तौलने लगते हैं, तो हम अपनी स्वतंत्रता को ही जोखिम में डालते हैं। यह समझना आवश्यक है कि सत्ताएं आती-जाती रहती हैं, लेकिन देश की साख और प्रधानमंत्री के पद की गरिमा अक्षुण्ण रहनी चाहिए। भारत आज उस मुकाम पर है जहां वह अपनी शर्तें खुद तय करता है। ईरान युद्ध के बीच भारत की रणनीतिक स्थिरता ने यह सिद्ध कर दिया है कि हम किसी के पिछलग्गू नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति हैं। विपक्ष को अब विदेशी चश्मे को उतारकर भारतीय चश्मे से देश की प्रगति को देखना होगा। विदेशी धरती से उठने वाले शोर को अपनी सियासत का एजेंडा बनाना बंद करना ही राष्ट्रहित में है। राष्ट्रीय सुरक्षा और आत्मसम्मान के विषयों पर कम से कम देश के भीतर एक सुर होना चाहिए क्योंकि राष्ट्र प्रथम की भावना ही लोकतंत्र की असली शक्ति है। इसलिए सभी दलों को पीएम पद की गरीमा का ध्यान रखना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मनुष्य इंद्रिय विषयों में करता है आनंद अनुभव

भक्ति विभिन्न रूपों में प्रकाशित होती है। पहला है श्रद्धा। लोग मंदिरों और पवित्र स्थानों के प्रति श्रद्धा इसलिए प्रकट करते हैं, क्योंकि वहां भगवान की पूजा होती है, ऐसे स्थानों में उनकी सत्ता अधिक अनुभूति होती है। प्रत्येक देश में लोग धर्माचार्यों के प्रति श्रद्धा इसलिए प्रकट करते हैं, क्योंकि ये आचार्य उन्हीं भगवान की महिमा का उपदेश देते हैं। इस श्रद्धा का मूल है प्रेम। हम

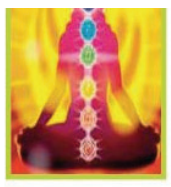

संकलित
दर्शन

जिससे प्रेम नहीं करते, उसके प्रति कभी श्रद्धालु नहीं हो सकते। इसके बाद है प्रीति अर्थात इश्वर चिंतन में आनंद। मनुष्य इंद्रिय विषयों में तीव्र आनंद अनुभव करता है। इंद्रियों को अच्छी लगने वाली चीजों के लिए वह भटकता फिरता है और बड़ा से बड़ा जोखिम उठाने के लिए तैयार रहता है। भक्त को चाहिए कि वह भगवान के प्रति इसी प्रकार का तीव्र प्रेम रखे। इसके उपरांत आता है विरह। विरह प्रेमास्पद के अभाव में उत्पन्न होने वाला तीव्र दुख। यह दुख संसार के समस्त दुखों में सबसे मधुर है। जब मनुष्य भगवान को न पा सकने के कारण, संसार में एकमात्र जानने योग वस्तु को न जान सकने के कारण तीव्र वेदना अनुभव करने लगता है और अत्यंत व्याकुल हो पागल-सा हो जाता है, उस दशा को विरह कहते हैं। मन की ऐसी दशा में प्रेमास्पद को छोड़ उसे और कुछ अच्छा नहीं लगता। बहुधा यह विरह सांसारिक प्रणय में देखा जाता है। जब पराभक्ति हृदय पर अपना प्रभाव जमा लेती है तो अन्य अप्रिय विषयों की उपस्थिति हमें खटकने लगती है, यहां तक कि प्रेमास्पद भगवान के अतिरिक्त अन्य किसी विषय पर बातचीत तक कहना हमारे लिए अरुचिकर हो जाता है। केवल उन पर ध्यान करो और अन्य सब बातें त्याग दो (मुंडकोपनिषद्)। जो लोग केवल उन्हीं की चर्चा करते हैं, वे भक्त को मित्र समान प्रतीत होते हैं और जो अन्य लोग अन्य विषयों की चर्चा करते हैं, वे उनको शत्रु समान दिखते हैं।

जीवन में गुरु की आवश्यकता क्यों?

एक गाय घास चरने के लिए एक जंगल में चली गई। शाम ढलने के करीब थी। उसने देखा कि एक बाघ उसकी तरफ दबे पांव बढ़ रहा है। वह डर के मारे इधर-उधर भागने लगी। वह बाघ भी उसके पीछे दौड़ने लगा। दौड़ते हुए गाय को सामने एक तालाब दिखाई दिया। घबराई हुई गाय उस तालाब के अंदर घुस गई। वह बाघ भी उसका पीछा करते हुए तालाब के अंदर घुस गया। तब

संकलित
प्रेरणा

उन्होंने देखा कि वह तालाब बहुत गहरा नहीं था। उसमें पानी कम था और वह कीचड़ से भरा हुआ था। उन दोनों के बीच की दूरी काफी कम हुई थी। लेकिन अब वह कुछ नहीं कर पा रहे थे। वह गाय उस किचड़ के अंदर धीरे-धीरे धंसने लगी। वह बाघ भी उसके पास होते हुए भी उसे पकड़ नहीं सका। वह भी धीरे-धीरे कीचड़ के अंदर धंसने लगा। दोनों भी करीब करीब गले तक उस कीचड़ के अंदर फस गए। दोनों हिल भी नहीं पा रहे थे। गाय के करीब होने के बावजूद वह बाघ उसे पकड़ नहीं पा रहा था। थोड़ी देर बाद गाय ने उस बाघ से पूछा, क्या तुम्हारा कोई गुरु या मालिक है? बाघ ने गुर्राते हुए कहा, मैं तो जंगल का राजा हूं। मेरा कोई मालिक नहीं। मैं खुद ही जंगल का मालिक हूं। गाय ने कहा, लेकिन तुम्हारे उस शक्ति का यहां पर क्या उपयोग है? उस बाघ ने कहा, तुम भी तो फस गई हो और मरने के करीब हो। तुम्हारी भी तो हालत मेरे जैसी है। गाय ने मुस्कुराते हुए कहा, बिलकुल नहीं। मेरा मालिक जब शाम को घर आएगा और मुझे वहां पर नहीं पाएगा तो वह ढूंढते हुए यहां जरूर आएगा और मुझे इस कीचड़ से निकाल कर अपने घर ले जाएगा। तुम्हें कौन ले जाएगा? थोड़ी ही देर में सच में ही एक आदमी वहां पर आया और गाय को कीचड़ से निकालकर अपने घर ले गया। जाते समय गाय और उसका मालिक दोनों एक दूसरे की तरफ कृतज्ञता पूर्वक देख रहे थे।

अंतर्मन

आज की पाती

समान नागरिक संहिता व्यापक बदलाव का संकेत

गुजरात विधानसभा में पारित 'यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) विधेयक, 2026' केवल एक कानून नहीं, बल्कि भारतीय समाज की संरचना में एक व्यापक बदलाव का संकेत है। यह विधेयक उस लंबे विमर्श का परिणाम है, जो दशकों से "समान नागरिक कानून" की अवधारणा को लेकर देश में चलता रहा है। अब गुजरात ने इस दिशा में ठोस पहल करते हुए विवाह, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार और लिव-इन संबंधों जैसे व्यक्तिगत मामलों में एक समान कानूनी ढांचा लागू करने का साहसिक निर्णय लिया है। यह कदम भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 की भावना के अनुरूप है, जो राज्य को सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में प्रयास करने का निर्देश देता है। -रविंद्र, रोहतक

ट्रेंड

रामनवमी की शुभकामनाएं

देशभर के मेरे परिवारजनों को रामनवमी की असीम शुभकामनाएं। त्याग, तप और संयम से भरे मर्यादा पुरुषोत्तम के जीवन से हमें हर परिस्थिति का पूरे सामर्थ्य से सामना करने की प्रेरणा मिलती है। उनके आदर्श अनंतकाल तक भारतवासियों के साथ-साथ संपूर्ण मानवता के पथ-प्रदर्शक बने रहेंगे। मेरी कामना। -नरेंद्र मोदी, पीएम

चुनाव आयोग निष्पक्ष संस्था

भारत देश में चुनाव आयोग एक निष्पक्ष संस्था है। अगर किसी के पास चुनाव आयोग के खिलाफ पुख्ता सबूत है तो वो सुप्रीम कोर्ट जा सकते हैं। इस बार टीएमसी बुरी तरह से हारेगी और दो तिहाई बहुमत के साथ पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है।
-सुकांता मजूमदार, केंद्रीय मंत्री

सतीशान की प्रतिक्रिया जानें

केरल के धर्मनिरपेक्ष लोगों को विपक्ष के नेता वी डी सतीशान की प्रतिक्रिया जानने का अधिकार है, जिन्होंने 2006 में अपने परवूर निर्वाचन क्षेत्र में माधव सदाशिव गोलवलकर शताब्दी समारोह में भाग लिया था। -पिनारयी विजयन, सीएम केरल

मेरा केरल पर फोकस

मेरा फोकस केरल चुनाव पर है। असम, बंगाल, तमिलनाडु में मेरे साथी कैंपेन कर रहे हैं। केरल में लोग बदलाव चाहते हैं। भाजपा राज्य में कोई आप्रासंगिक कारक नहीं है। असली लड़ाई यूडीएफ व एलडीएफ के बीच है। भाजपा को वोट देना बेकार है। यूडीएफ को वोट दे। -शशि थरूर, कांग्रेस सांसद

करंट अफेयर

रूस अपने मालवाहक जहाजों को सुरक्षा मुहैया कराएगा

रूस ने कहा है कि वह अपने मालवाहक जहाजों को नौसैनिक सुरक्षा प्रदान करेगा क्योंकि पश्चिमी देशों की नौसेनाओं द्वारा ऐसे जहाजों को रोकने की घटनाएं बढ़ रही हैं। रूस के मैरीटाइम बोर्ड ने बुधवार को एक बैठक में अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर रूसी जहाजों की जब्ती या रोकथाम से निपटने के लिए नए दिशा-निर्देश तैयार किए। ये दिशा-निर्देश मुख्य रूप से अजोव-काला सागर क्षेत्र और बाल्टिक सागर पर लागू होंगे। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि अन्य क्षेत्रों में भी नौसैनिक सुरक्षा दी जाएगी या नहीं। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब यूरोपीय देश रूस के तथाकथित शैडो फ्लीट को बाधित करने की कोशिशें तेज कर रहे हैं, जिनका उपयोग भारत और चीन जैसे पारंपरिक ग्राहकों तक हाइड्रोकार्बन पहुंचाने के लिए किया जाता है। बोर्ड के प्रमुख निकोलाई पत्रुशेव ने कहा, रूस के साथ काम करने वाले जहाज मालिकों को नौसेना के साथ समन्वय के निर्देश दिए गए हैं और रूसी मालवाहक जहाजों की निगरानी बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा कि जहाजों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए रूसी नौसेना उनकी निगरानी करेगी और नौवहन क्षेत्रों पर नजर रखेगी।

ऑफ बीट

पुराना पीठ दर्द मस्तिष्क से होता है उत्पन्न

पुराने पीठ दर्द से पीड़ित अधिकांश लोग स्वाभाविक रूप से सोचते हैं कि उनका दर्द चोट या शरीर में अन्य समस्याओं जैसे गठिया या उभरी हुई डिस्क के कारण होता है। लेकिन हमारी शोध टीम ने पाया है कि मस्तिष्क में होने वाली प्रक्रिया के रूप में दर्द के मूल कारण के बारे में सोचने से रिकवरी को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। हम दर्द पुनर्संसाधन थेरेपी नामक एक मनोवैज्ञानिक उपचार का अध्ययन कर रहे हैं जो मस्तिष्क में अप्रभावी और अनावश्यक दर्द संकेतों को 'बंद' करने में मदद कर सकता है। पुराने समय से चला आ रहा दर्द आज सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। यह अमेरिका में विकलांगता का प्रमुख कारण है, और इसकी आर्थिक लागत मधुमेह या कैंसर से भी अधिक है। सबसे आम दीर्घकालिक दर्द पीठ दर्द है। कई मरीज़ - और डॉक्टर - पीठ की विभिन्न समस्याओं की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जिनके बारे में उन्हें संदेह है कि यह दर्द का कारण हो सकता है। इसलिए वे हर तरह के उपचार आज़माते हैं, लेकिन अक्सर कोई फायदा नहीं होता। वैज्ञानिकों की बढ़ती संख्या अब यह मानती है कि पुराने पीठ दर्द के कई मामले मुख्य रूप से मस्तिष्क में परिवर्तन के कारण होते हैं। दर्द किसी चोट से उत्पन्न हो सकता है।

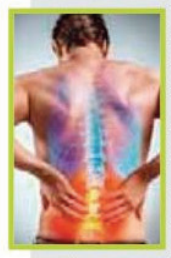

खबर संक्षेप

ट्रॉला से भिड़ा पिकअप वाहन, 8 की मौत

कौशांबी। प्रयागराज-कानपुर हाईवे पर सैनी क्षेत्र के डोरमा गांव के सामने पेट्रोल पंप के पास शुक्रवार दोपहर भीषण सड़क हादसा हो गया। सड़क किनारे खड़े ट्राला में अनियंत्रित पिकअप भिड़ गया। इस हादसे में 8 की मौत हो गई। एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए।

ईडी ने जब्त की 19.12 करोड़ की संपत्ति

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय ने एनएसईएल केस में बड़ी कार्रवाई की है। 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। ईडी ने 19.12 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति को अस्थाई रूप से जब्त कर लिया गया है।

सेल्फी लेते तुंगभद्रा नदी में 2 महिला सहित 4 डूबे

कुरनूल। आंध्र प्रदेश में कुरनूल जिले के कोसिगी में शुक्रवार को तुंगभद्रा नदी में दो महिलाओं सहित चार लोग डूब गए। येम्मिगनूर के उपमंडल पुलिस अधिकारी एन बरघावी ने बताया कि चारों एक शादी में शामिल होने आए थे और नदी में चले गए जहां वे डूब गए।

लोकसभा अध्यक्ष की सांसदों को नसीहत...

'सदन में आसन का धन्यवाद करने से ज्यादा प्रश्न पूछने पर ध्यान दें माननीय'

प्रश्नकाल में भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी के सवाल पूछने के दौरान बोले ओम बिरला

⏭ नई दिल्ली

संसद के निचले सदन में शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सभी सांसदों को यह नसीहत दी है कि वह सदन में अपने सवाल पूछने से पहले आसन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करने में समय बर्बाद न करें। सीधे अपना प्रश्न पूछे और संबंधित विभागीय मंत्री से उसका जवाब लें। जिससे समय की बचत होगी और सदन में सभी जनप्रतिनिधियों को सवाल पूछने का मौका मिलेगा। अध्यक्ष की इस टिप्पणी का खासतौर पर विपक्षी दलों के सदस्यों ने मेज थपथपाकर स्वागत किया। दरअसल ये पूरा घटनाक्रम सुबह 11 बजे का है, जब भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने स्वास्थ्य से जुड़ा एक सवाल पूछने से पहले लोकसभा अध्यक्ष के प्रति धन्यवाद दिया। जिसे लेकर बिरला ने कहा कि आसन का धन्यवाद करने से अधिक प्रश्न पूछने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। क्योंकि वही महत्वपूर्ण है। धन्यवाद का कोई महत्व नहीं है। उधर, कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने शून्यकाल में छोटे बच्चों में तेजी से बढ़ती मोबाइल इस्तेमाल करने की लत के विषय को उठाया। जिसे लेकर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, 27 मार्च को मामले पर आईटी मंत्रालय की एक समिति ने विषय को लेकर सरकार को जरूरी सिफारिश कर दी है।

शून्यकाल में दीपेंद्र हुड्डा ने उठाया, छोटे बच्चों में बढ़ती मोबाइल इस्तेमाल की लत का मुद्दा

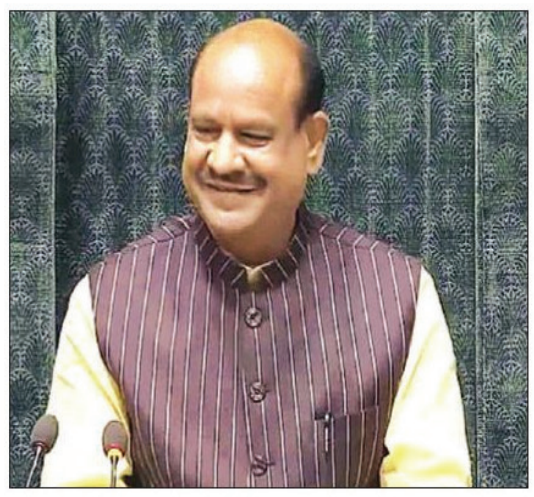

ऐसे बढ़ता उर्वरकों का स्टॉकः नड्डा

तृणमूल कांग्रेस की सांसद प्रतिमा मंडल ने पश्चिम-एशिया संकट के हालात पर यूरिया के संबंध में कोई नीति बनाने या कमी की पूर्ति के लिए अतिरिक्त रिजर्व की योजना को लेकर केंद्र से सवाल पूछा। जवाब में केंद्रीय उर्वरक एवं रसायन मंत्री जे.पी.नड्डा ने माना कि देश में उर्वरकों के कच्चे-माल (रॉ-मटेरियल) के मामले में आयात पर निर्भरता है। हमारे पास रिजर्व सीमित है। लेकिन इसकी पूर्ति करने के लिए हमने कई देशों जैसे जॉर्डन, ओमान, सऊदी-अरब और मोरक्को के साथ दीर्घकालिक समझौता किया है। जिसका लाभ यह हुआ है कि देश में उत्पादन बढ़ाने में मदद मिली है। जो एक दशक पहले के 230 लाख मीट्रिक टन की तुलना में अब 85 लाख मीट्रिक टन तक बढ़कर 315 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा, गोरखपुर व अन्य जगहों में नए प्लांट भी लगाए गए हैं। केंद्र ने यूरिया के संतुलित इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। जिनसे आयात पर निर्भरता में कमी आई है।

खाद्य-उर्वरकों की है पूरी व्यवस्था

उन्होंने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के एक अन्य प्रश्न के जवाब में कहा, मैं सदन के जरिए देश की आम-जनता को यह भरोसा दिलाना चाहता हूं कि भारत के पास खाद्य और उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। सरकार ने इसकी पूरी व्यवस्था की है। इसलिए किसी को भी घबराने की कोई जरूरत नहीं है। हमारे पास पर्याप्त भंडार मौजूद है। बीते गुरुवार को ही मेरी सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों से बातचीत हुई है। किसानों को सही समय पर जितनी मात्रा में खाद की जरूरत होगी। केंद्र उसे उपलब्ध कराएगा। खरीफ के सीजन के लिए हम चिंतामुक्त हैं। जबकि भविष्य के लिए विविधता के प्रयास जारी हैं। बाकी देशों से खरीद करने का उपाय इसमें शामिल है।

नेहरू ने खोला मात्र 1 एम्सः सांसद नड्डा

कांग्रेस सांसद जयप्रकाश के प्रश्न के जवाब में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी.नड्डा ने मुख्य विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 1960 से 1998 तक देश में केवल एम्स खोला गया था। कांग्रेसी सांसद बोले, एम्स पंडित नेहरू की देन है। जवाब में नड्डा ने पलटवार किया और कहा, 1960 से 1998 तक सिर्फ एक ही एम्स था। उसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली राजग सरकार ने 6 एम्स खोले और वर्तमान मोदी सरकार ने अपने कार्यकाल में देश में कुल 23 एम्स खोले हैं। यह अस्पताल भारत ही नहीं दुनिया में एक ब्रांड है। जिसकी नियुक्ति प्रक्रियाओं में मानकों के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

मोबाइल की बढ़ती लत बच्चों के लिए हानिकारकः हुड्डा

कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने सदन में बच्चों के तेजी से मोबाइल पर बढ़ रहे स्क्रीन टाइम का गंभीर विषय उठाते हुए कहा कि इससे उन्हें मोबाइल की लत लग रही है। कम उम्र में बच्चों में चिंता, ध्यान लगाने में परेशानी, चिड़चिड़ापन जैसी दिक्कतें आ रही हैं। आज ऑनलाइन जुआ खेलने, सट्टा लगाने के लिए भी कई डिजिटल गेम मौजूद हैं। जो युवा पीढ़ी को बर्बाद कर रहे हैं। इसलिए सरकार को इस मामले में व्यापक नियम बनाने चाहिए। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, चीन जैसे दुनिया के बाकी देशों में इसे लेकर कदम उठाए हैं। हुड्डा का यह मुद्दा उठाने के बाद निशिकांत दुबे ने कहा, आज आईटी मंत्रालय की मामले पर गठित की गई समिति की एक बैठक हुई है। जिसने इस संबंध में सरकार से सिफारिश कर दी है।

सरकार ने उर्वरक की जमाखोरी और कालाबाजारी मामले में 6,900 से अधिक लाइसेंस रद्द किए

रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने शुक्रवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया

⏭ नई दिल्ली

भारत सरकार ने उर्वरकों की जमाखोरी, हेराफेरी और कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए कड़े प्रवर्तन उपाय किए हैं। रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने शुक्रवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि प्रवर्तन एजेंसियों ने अप्रैल 2025 से, 4,66,415 छापे मारे हैं, 16,246 कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं, 6,802 लाइसेंस निलंबित या रद्द किए हैं और उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ 821 प्राथमिकी दर्ज की हैं। विशेष रूप से फरवरी 2026 में, जमाखोरी के मामलों में 28 कारण बताओ नोटिस जारी किए गए, दो लाइसेंस निलंबित/ रद्द किए गए और दो प्राथमिकी दर्ज की गईं।

सरकार ने फॉस्फेट और पोटैशियम युक्त उर्वरकों के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) योजना का क्रियान्वयन जारी

उन्होंने बताया कि आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत उर्वरकों को आवश्यक वस्तु घोषित किया गया है और उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 के तहत अधिसूचित किया गया है जो राज्य सरकारों को दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार देता है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, राज्य सरकारों के परामर्श से, नियमित रूप से साप्ताहिक आधार पर प्रवर्तन कार्रवाइयों की निगरानी करता है और उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करता है। वर्तमान रबी 2025-26 सीजन के दौरान देश में यूरिया, डीएपी, एमओपी और एनपीकेएस जैसे उर्वरकों की उपलब्धता पर्याप्त बनी हुई है।

अनुप्रिया पटेल ने बताया कि किफायती दामों पर यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, यूरिया सब्सिडी योजना के तहत किसानों को वैधानिक रूप से अधिसूचित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर यूरिया उपलब्ध कराया जाता है। 45 किलो यूरिया के बैग का एमआरपी 242 रुपये प्रति बैग है (इसमें नीम कोटिंग और लागू करों का शुल्क शामिल नहीं है)।

खेत में यूरिया की आपूर्ति लागत और यूरिया इकाइयों द्वारा प्राप्त शुद्ध बाजार मूल्य के बीच का अंतर भारत सरकार द्वारा यूरिया निर्माता/ आयातकर्ता को सब्सिडी के रूप में दिया जाता है। सरकार प्रमुख उर्वरकों और कच्चे माल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर नजर रखती है और यदि कोई उतार-चढ़ाव होता है तो उसे किसानों को पी एवं के उर्वरकों की किफायती आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए वार्षिक/ द्विवार्षिक आधार पर पी एवं के उर्वरकों के लिए एनबीएस दरें निर्धारित करते समय ध्यान में रखा जाता है।

महाराष्ट्र ने कृषि यंत्रीकरण एवं ड्रिप सिंचाई के लिए अतिरिक्त निधि उपलब्ध कराने की मांग की

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से महाराष्ट्र के कृषि मंत्री दत्तात्रय भरणे ने की मुलाकात

⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से शुक्रवार को नई दिल्ली में महाराष्ट्र के कृषि मंत्री दत्तात्रय विठोबा भरणे ने मुलाकात की। बैठक के दौरान महाराष्ट्र के कृषि मंत्री ने राज्य में चल रहे कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से कृषि यंत्रीकरण एवं ड्रिप सिंचाई के लिए अतिरिक्त निधि उपलब्ध कराने का केंद्रीय कृषि मंत्री से अनुरोध किया।

भरणे ने राज्य के तटीय क्षेत्रों में आम एवं काजू की फसलों को असमय वर्षा से हुए नुकसान के बारे में भी केंद्रीय कृषि मंत्री को अवगत कराया। इस संबंध में केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि नुकसान के आकलन के लिए केंद्र सरकार की टीम पहले ही राज्य का दौरा कर चुकी है।

चौहान ने राज्य में असमय वर्षा से फसलों को हुए नुकसान को देखते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का अधिकतम लाभ राज्य के किसानों के लिए सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए 52 टीमों का गठन किया गया है और इसकी प्रगति की नियमित समीक्षा की जा रही है। साथ ही, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की का अधिकतम लाभ उठाने के लिए राज्य को सक्रिय कदम उठाने का भी आग्रह किया। बैठक के दौरान महाराष्ट्र के कृषि मंत्री ने यह भी बताया कि इस वर्ष राज्य में प्याज का उत्पादन अधिक हुआ है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया कि एपीएमसी के माध्यम से किसानों से सीधे खरीद की व्यवस्था की जाए। इस पर केंद्रीय कृषि मंत्री ने उचित कदम उठाने का भरोसा दिया।

मणिपुर की उपमुख्यमंत्री ने चौहान से मुलाकात की

मणिपुर की उपमुख्यमंत्री सुश्री नेमचा किपगेन ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आधिकारिक आवास पर उनसे मुलाकात की। उन्होंने पीएमजीएसवाई-1 योजना की अवधि बढ़ाने के लिए केंद्रीय मंत्री को धन्यवाद दिया और राज्य में कृषि एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में जारी कार्यों की जानकारी भी दी। चौहान ने उनके आग्रह पर कार्रवाई करते हुए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद को राज्य में छह नए कृषि विज्ञान केंद्र खोलने का निर्देश दिया। चौहान ने उपमुख्यमंत्री से राज्य में एक टिशू कल्चर प्रयोगशाला स्थापित करने संबंधी प्रस्ताव भेजने का भी आग्रह किया है।

पेट्रोल डीजल की कीमतों में राहत का दावा भ्रामक, लोगों को लाभ नहीं: खेड़ा

⏭ नई दिल्ली

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कथित कमी को लेकर सियासत तेज हो गई है। पवन खेड़ा ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि जनता को राहत मिलने का जो दावा किया जा रहा है, वह "सिर्फ हेडलाइन तक सीमित" है, हकीकत में आम उपभोक्ताओं को कोई फायदा नहीं मिला है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली 'स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी' में कटौती की है। लेकिन पवन खेड़ा के अनुसार, इस कटौती का असर न तो डीलर्स पर पड़ा है और न ही उपभोक्ताओं पर। बाजार में पेट्रोल-डीजल के दाम जैसे के तैसे बने हुए हैं।

'स्पेशल एडिशनल एक्साइज इयूटी' क्या है

खेड़ा ने अपने बयान में इस टैक्स पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि "स्पेशल" और "एडिशनल" जैसे शब्द ही बताते हैं कि यह टैक्स अतिरिक्त और अनावश्यक बोझ है। यह टैक्स तेल विपणन कंपनियों द्वारा सरकार को दिया जाता है। अब कंपनियों द्वारा दिए जाने वाले ड्यूटी या टैक्स में कहीं कोई कमी की गई तो उसका फायदा आम ग्राहकों को कहां मिल रहा? खेड़ा के मुताबिक, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बाद से तेल कंपनियां लगातार नुकसान झेल रही थीं। सरकार ने लगभग एक महीने बाद इस बोझ का छोटा सा हिस्सा साझा करने का फैसला लिया है। लेकिन इसका फायदा सीधे जनता तक नहीं पहुंचा। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया की "राहत सिर्फ कहानी में, जमीन पर नही।ह उन्होंने ने कहा, सरकार "राहत का नैरेटिव" बना रही है, जबकि वास्तविक राहत नहीं दी गई। आम जनता को भ्रमित करने के बजाय सरकार को सीधे उपभोक्ताओं को राहत देनी चाहिए।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आलोक अग्रवाल आ० स्व० माखनलाल अग्रवाल, जाति अग्रवाल व अन्य 03. जाति अग्रवाल निवासी सदर रोड़, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके संयुक्त स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर-11 मोहल्ला भट्ठापारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 4507/13 रकबा 0.08 एकड़ भूमि की लीज अवधि समाप्ति तिथि 31/03/2026 है। आवेदकगण द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।आज दिनांक 24/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/अ-20(1)/2025-28

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आलोक अग्रवाल आ० स्व० माखनलाल अग्रवाल, जाति अग्रवाल व अन्य 03. जाति अग्रवाल निवासी सदर रोड, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके संयुक्त स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर-09 मोहल्ला बाबुपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 3467/4866/4 रकबा 1540 वर्गफीट भूमि की लीज अवधि समाप्ति तिथि 31/03/2026 है। आवेदकगण द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 24/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

रायबरेली और अमेठी पेट्रोल पंप मलिको की मनमानी पेट्रोल देने से नाकारा कहीं मशीन खराबी तो कहीं पेट्रोल खत्म होने का बताया बहाना

संवाददाता

रायबरेली अमेठी/बृहस्पतिवार दोपहर के बाद दोनों जनपदों के पेट्रोल पंपों पर दो पहिया से लेकर फोर व्हीलर वाहनों की भारी भरकम लाइन की कतार लगी रही फिर भी पेट्रोल पंप मलिको की मनमानी तेल नहीं दिया गया किसी पर पेट्रोल देने से नकारा गया तो कोई मशीन खराब का बहाना बताकर पल्ला झाड़ लिया दोपहर से लेकर शाम तक भारी भरकम भीड़ जुटी रही की अब शायद तेल मिलेगा लेकिन सभी वाहन चालकों को निराशा हाथ लगी और अपना अपना वाहन वापस लेकर लौटना शुरू कर दिया बताते चले की अंतरराष्ट्रीय देशों मे युद्ध के दौरान मुश्किलो का सामना करना पड़ रहा है कही गैस सिलेंडर तो कहीं तेल अफवाहों का बाजार गर्म हो गया है जबकि विभागीय अधिकारी गैस और तेल दोनों पर्याप्त भंडार होने का दावा कर रहे हैं साथ में अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील भी की जा रही हैं लेकिन हकीकत में गैस एजेंसी और पेट्रोल पंपों पर लोगों की भारी भरकम भीड़ इससे क्या समझा जा सकता है कि सरकार क्या झुपाना चाहती है अपनी

नाकामी या जिम्मेदारी कयी दिनों से गैस के लिए लोग लाईन में लगे हैं लेकिन बृहस्पतिवार को पेट्रोल लेने के लिए भी लोग दो पहिया वाहन से लेकर फोर व्हीलर और तो और ट्रैक्टर ट्रॉली पर लाद कर कयी ड्रम लेकर टंकी पर तेल भरवाने पहुंचे लोग तो अचानक दोनों जनपदों के पेट्रोल पंप मलिकों द्वारा सीधा तेल देने से इंकार कर दिया गया किसी मलिकों की ओर से बताया गया कि तेल खत्म हो गया है तो कहीं मशीन खराब हो गई शाम तक यही नजारा रहा उक्त जनपदों के अलावा प्रदेश के विभिन्न जिलों में यही हाल सोशल मीडिया पर अफवाह देखने को मिली और तो और प्रदेश की राजधानी में भी तेल को लेकर खूब हंगामा चला तब पेट्रोल पंपों पर पुलिस की तैनात की गई कि अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति व्यवस्था बनाए रखें दूसरी बात समस्या के बीच लोगों को तेल महंगाई की सूचना भी मिल गई जिससे लोगों ने कयास और उम्मीद लगाया कि तेल महंगा होने की वजह से ही तेल पेट्रोल पम्प मालिकों ने देना बंद किया ताकि मुनाफा कमा सके शुक्रवार भी यही नजारा रहा कई पेट्रोल पंप बंद रही तो कुछ तेल दे रहे थे वह भी सौ रुपए से लेकर दौ सौ तक डीजल की बात करें तो दो हजार तक बोतल और डिब्बों में तेल देने से साफ इंकार ऐसी हालत में लोगों में भारी आक्रोश रहा कि क्या देखना और सहना पड़ रहा है

पेट्रोल पंपो पर बड़ा खेला जांच में खुल सकती है पोल

रायबरेली अमेठी/पेट्रोल पंपों पर बड़ा खेल होता है जांच करने से पोल खुलने की सम्भावना हो सकती है दोनों जनपदों में मिलाकर करीब 100 पेट्रोल पंप है तेल देने वाला मजदूर अच्छी तरह से जानता है यहां तक की पानी और घटिया तेल मिलावट कर बेचा जा रहा है नाम न छापने की शर्त पर एक तेल देने वाला मजदूर बताया कि हर लीटर पर करीब 2 रूपए बचत की जाती है और महीना भर में प्रत्येक मजदूर के हिस्से में 8 हजार रुपए आता है दूसरी बात पेट्रोल पंपो पर करीब एक दर्जन सुविधा मिलने का नियम है जैसे शौचालय चोट लगने पर मरहम पट्टी फोन करने एवं बड़ी बात वाहनों में हवा भरने के लिए आदि जैसी सरकार द्वारा नियमित रूप से दी गई सुबिधा सामिल है लेकिन इन सभी नियमों को दरकिनार कर मालिक मनमानी करता है जांच मे टंकी पर लगे सीसीटीवी कैमरे और तेल भरवाने वाले लोगों से पूछताछ की जाए तो पेट्रोल पंप मलिको की पोल और भ्रष्टाचार खुलकर सामने आ जाएगी

खेला करने में गैस एजेंसी भी पीछे नहीं करती काली कमाई

रायबरेली अमेठी/जहां दोनों जनपदों में पेट्रोल पंपों पर बड़ा खेल जारी है वही गैस सिलेंडर पाने के लिए लोग सुबह से शाम तक लंबी कतार भीड़ में लगे परेशानियों का सामना कर रहे हैं फिर भी गैस एजेंसी मालिको द्वारा गरीबों की जेबो पर भारी पड़ रहे हैं जहां पेट्रोल पंप खेला कर रही है वहीं गैस एजेंसियां भी पीछे नहीं है यह भी बड़ा खेल करने मे लगी है दोनों जनपदों में मिलाकर करीब 80 स्थानो से ज्यादा गैस सिलेंडर एजेंसी है जो इस समय काली कमाई करने में लगी है बाहर से गैस सिलेंडरो में सील पैक और पूरी 30 केजी गैस आती और यहां गैस एजेंसी द्वारा दूसरी सील लगाकर बिन नाप तौल के ही सिलेंडर बेचा जा रहा हैं वह भी अधिक शुल्क पर जबकि सरकारी रेट मैसेज ओटीपी मोबाइल पर 953 रूपए आता है दूसरी बात आज भी नाम घरेलू गैस कनेक्शन लेकिन यही गैस सिलेंडर होटल चाट चाऊमीन बनाने वाले आदि दुकानदारों के बीच देखने को मिल रहा है

रोचक / शिखर चंद जैन

मूर्ख बनाने वाले ये पशु-पक्षी

बच्चो, इंसान ही नहीं पशु-पक्षी भी मूर्ख बनाने में पीछे नहीं होते। ये इतनी चालाकी से मूर्ख बनाते हैं कि कुछ आभास ही नहीं होता। पशु-पक्षी कभी अपने फायदे के लिए, कभी शिकार करने के लिए तो कभी अपनी जान बचाने के लिए दूसरे जंतुओं को मूर्ख बनाते हैं। अप्रैल फूल-डे के मौके पर हम तुम्हें मूर्ख बनाने वाले कुछ पशु-पक्षियों के बारे में बता रहे हैं।

कोयल कौवे को बनाती है मूर्ख

मादा कोयल बड़ी चतुर होती है। वह खुद घोंसला नहीं बनाती, चुपके से जाकर कौवे के घोंसले में अंडे दे आती है। चतुर कहलाने वाला कौवा, कोयल के इस कारनामे के आगे मात खा जाता है। कौवा, कोयल के अंडों को अपने अंडे समझकर सेता है, उसकी देखभाल करता है। दरअसल, कोयल के अंडे भी आकार और प्रकार में बिल्कुल कौवे के अंडे जैसे दिखते हैं। इस तरह कोयल, कौए को 'मूर्ख' बनाकर अपने अंडों की देखभाल करवा लेती है। *

ऑक्टोपस मिमिक्री से देता है धोखा

ऑक्टोपस एक समुद्री जंतु है। यह अपनी त्वचा का रंग और बनावट बदलने में माहिर होता है। यह मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व एशिया में, विशेषकर इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप के पास के समुद्रों में पाया जाता है। ऑक्टोपस इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के उथले, रेतीले और कीचड़ भरे पानी में रहने वाला एक अनूठा समुद्री जंतु है, जो 15 से अधिक समुद्री जीवों की मिमिक्री यानी नकल करने की क्षमता रखता है। कलाकार प्रकृति का यह ऑक्टोपस समुद्र के अन्य खतरनाक जंतुओं जैसे लॉयन फिश या समुद्री सांपों की नकल कर लेता है। यह अपनी एक्टिंग इस आधार पर चुनता है कि सामने कौन-सा शिकारी है, ताकि उसे डरा सके। इस तरह शिकारी को धोखा देकर अपनी जान बचा लेता है। *

किलडियर ड्रामेबाजी में माहिर

किलडियर मुख्य रूप से उत्तरी, मध्य और दक्षिणी अमेरिका के खुले, घास वाले मैदानों, खेतों, गोल्फ कोर्स और जल निकायों के किनारे पाए जाते हैं। ये कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कैरिबियन कंट्रीज में भी बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। यह प्लोवर प्रजाति का एक तटीय पक्षी है, जो जमीनी इलाकों में रहता है। जब कोई शिकारी, जैसे- कुत्ता, लोमड़ी या इंसान इसके जमीनी घोंसले के करीब आता है, तो मादा या नर किलडियर घोंसले से दूर जाकर जमीन पर लेट जाता है। यह अपने पंख को इस तरह फैलाता और फड़फड़ाता है, जैसे कि पंख टूट गया हो। यही नहीं ड्रामेबाज किलडियर लंगड़ाकर चलने लगता है और दर्द भरी आवाजें भी निकालने लगता है। यह सब देखकर शिकारी को लगता है कि यह पक्षी घायल हो गया है, इसे पकड़ना आसान है। जैसे ही शिकारी, इस पक्षी का पीछा करते हुए घोंसले से काफी दूर चला जाता है, किलडियर फुर्र से उड़ जाता है। कभी-कभी तो ये चतुर पक्षी शिकारी को भ्रमित करने के लिए किसी खाली जगह पर ऐसे बैठ जाता है, जैसे वहां उसका घोंसला हो, ताकि असली घोंसला सुरक्षित रहे। *

एंग्लर फिश टॉर्चनुमा अंग देता है चकमा

एंग्लर फिश मुख्य रूप से अटलांटिक और अंटार्कटिक महासागरों के बहुत गहरे और ठंडे पानी में पाई जाती है। यह मछली समुद्र की सतह से लगभग 600 मीटर से लेकर 8,370 मीटर (27,500 फीट से अधिक) की गहराई में रहती है। एंग्लर फिश दुनिया के सबसे अंधेरे और गहरे समुद्री इलाकों में रहने वाली एक रहस्यमयी मछली है। गहरे समुद्र के अंधेरे में रहने वाली इस मछली के सिर पर एक चमकता हुआ टॉर्चनुमा अंग होता है। छोटी मछलियां जब इस रोशनी को भोजन समझकर पास आती हैं, तब एंग्लर फिश तुरंत उन्हें निगल लेती है। *

फोर्क-टेल्ड ड्रोंगो झूठा अलार्म बजाकर चुराता है खाना

फोर्क-टेल्ड ड्रोंगो पक्षी, मुख्य रूप से अफ्रीका में सहारा मरुस्थल के दक्षिण में पाया जाता है। यह पक्षी खुले घास के मैदानों, झाड़ियों और हल्के घने वनों में रहता है। यह पक्षी अपनी गहरी कटी हुई पूंछ और निडर स्वभाव के लिए जाना जाता है। फोर्क-टेल्ड ड्रोंगो दूसरे जानवरों, जैसे कि मीयरकैट्स के खतरे वाली आवाजों की नकल करता है। जब मीयरकैट्स अपना खाना जुटा लेते हैं, तो ड्रोंगो झूठा अलार्म बजाता है। डर के मारे मीयरकैट्स अपना खाना छोड़कर भाग जाते हैं और फिर ड्रोंगो उसे चुराकर अपना पेट भर लेता है। *

छोटी कहानी

एक ठग ने अपने तोते को बस एक शब्द बोलना सिखाया था-यकीनन। इस शब्द के जरिए ठग ने एक युवक को ऐसा मूर्ख बनाया कि बेचारा हजार अशर्फियां गंवा बैठा। पढ़ो, बहुत ही मजेदार कहानी।

ठग का तोता

एआई इमेज

एक ठग के पास एक तोता था। उसने उसे सिर्फ एक ही शब्द बोलना सिखाया था-यकीनन। वह उस तोते के साथ एक गांव में आया। रात को उसने एक जगह एक छोटे से बक्से में सोने के सिक्के भरकर गाड़ दिए। अगले दिन वह फिर तोते के साथ वहां पहुंचा और उससे बातें करने लगा। उत्सुकतावश लोग वहां इकट्ठा होने लगे।

ठग ने तोते से पूछा, 'क्या तुम मुझे गड़े खजाने का पता बता सकते हो?'

तोता बोला, 'यकीनन।'

उसने रात वाली जगह की ओर इशारा करके पूछा, 'अगर मैं वहां खोदूं तो क्या खजाना मिल सकता है?'

तोता बोला, 'यकीनन।'

उसने खुदाई की तो लोग देखकर हैरान रह गए कि वहां वाकई खजाना निकला। यह सब देखकर एक लालची युवक ने उस ठग से पूछा, 'क्या वह तोता बेचेगा?'

ठग बोला, 'हां, बेच सकता हूं, लेकिन एक हजार अशर्फियों से कम नहीं लूंगा।'

युवक ने तोते का इतना अधिक दाम सुनकर पूछा, 'इतना ज्यादा?'

ठग बोला, 'तुम तोते से पूछ लो।'

युवक ने तोते से पूछा, 'क्या तुम इस लायक हो कि तुम्हारे लिए एक हजार अशर्फियां दी जाएं?'

तोते ने झट से उत्तर दिया, 'यकीनन।' युवक ने उस तोते को खरीद लिया। एक हजार अशर्फियां लेकर ठग अपने रास्ते चला गया।

युवक ने घर आकर तोते से पूछा, 'मुझे कहां खजाना मिलेगा?'

तोता बोला, 'यकीनन।'

उसकी समझ में कुछ नहीं आया तो उसने एक जगह की ओर इशारा करके पूछा, 'क्या वहां खोदने पर खजाना मिल सकता है?'

तोता बोला, 'यकीनन।'

युवक ने खोदा तो वहां कुछ नहीं निकला। वह तोते के पास आया और बोला, 'तुमने झूठ क्यों बोला?'

तोता बोला, 'यकीनन।'

ऐसे ही हर सवाल का जवाब जब उसे एक ही शब्द 'यकीनन' में मिला तो वह झुंझलाकर बोला, 'मैं क्या बेवकूफ हूं, जो तुम्हें एक हजार अशर्फियों में खरीदा?'

तोता फिर से बोल पड़ा- यकीनन।

ठग की चालाकी और अपने लालच, बेवकूफी की वजह से वह युवक यकीनन मूर्ख बन चुका था। *

प्रस्तुतिः एफएमएन

कविता / घमंडीलाल अग्रवाल

अप्रैल फूल

दिवस प्रथम अप्रैल आ गया
जब हंसता-सा भाई,
भालू जी ने नंदन-वन में
यह योजना बनाई!
गीदड़, लोमड़, शेर सभी को
संदेशा भिजवाया,
जंगल में मंगल करने को
समारोह रखवाया!
नियत जगह पर आ पहुंचे थे
बन-ठन प्राणी सारे,
मगर न कोई तैयारी थी
चकित हुए मन मारे!
देख सभी का सिर चकराया
चतुर लोमड़ी बोली,
आज प्रथम अप्रैल सुनो जी
मेरे सब हमजोली!
लौट के बुद्धू घर को आए
कहा-हो गई भूल,
एक साथ ही सभी जानवर
बने अप्रैल फूल!

एआई इमेज

बूझो तो जानें

1 मैं पूरब से चलता हूं,
दिनभर आग उगलता हूं।
शाम ढले छिप जाता हूं,
रात में नहीं निकलता हूं।

2 न तन सुंदर न गोरी
छौंक में आऊं काम,
सब्जी-दाल में डाली जाऊं
बूझो मेरा नाम।

3 चार अक्षर का नाम है,
कटे पे आऊं काम।
रंग श्वेत होता मेरा,
अधिक न मेरा दाम।

-वसीम अहमद नगरामी

उत्तर: 1.सूरज, 2. हींग, 3. चिरौंजी

जीके क्विज-198

1. वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2026 में किस देश को पहला स्थान दिया गया है?
2. साहित्य अकादमी पुरस्कार 2025 (हिंदी भाषा के लिए) किन्हें प्रदान किया जाएगा?
3. विश्व स्वास्थ्य दिवस कब मनाया जाता है?
4. हाल में नेपाल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री का क्या नाम है?
5. जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर कौन थे?
6. हाल में ही किस युद्धपोत को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया?
7. दिसपुर किस राज्य की राजधानी है?
8. अमेरिका के प्रथम राष्ट्रपति कौन थे?
9. एक वयस्क मनुष्य में सामान्यतः कितने दांत पाए जाते हैं?
10. क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व का सबसे बड़ा देश कौन-सा है?

बच्चो, जीके क्विज-198 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके क्विज-197 का उत्तर: 1.चंडीगढ़, 2.यूएसए, मैक्सिको, कनाडा, 3.असम, 4.मयंक चक्रवती, 5.महात्मा गांधी, 6.एम.एस. स्वामीनाथन, 7. 27 मार्च, 8.ऑक्सीजन, 9.अलेक्जेंडर फ्लेमिंग, 10.महाराष्ट्र

जीके क्विज-197 का सही उत्तर देने वाले: अनुभव-राजनांदगांव, रमेश-बैकुंठपुर, कबीर-हिसार, उर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, कविता-रायपुर, कुसुम-दुर्ग, तनिष्क-रोहतक, कोमल-बिलासपुर, रचित-महासमुंद, आकाश-बलौदा बाजार, संकेत-बालोद, अंकित-रायगढ़, सूरज-महेंद्रगढ़, प्रिया-दिल्ली, जतिन-कांकेर, सुमन-दुर्ग

कहानी
हरीश कुमार 'अमित'

रोहित का अपने दादा जी से रिश्ता एकदम दोस्त जैसा था। दोनों एक-दूसरे के साथ खूब हंसी-मजाक करते थे। रोहित ने पहली अप्रैल को अपने दादा जी को अप्रैल फूल बनाने को सोची। लेकिन दादा जी ने ऐसा चकमा दिया कि रोहित खुद ही अप्रैल फूल बन गया।

अप्रैल फूल बनाया!

इन दिनों रोहित बहुत खुश था। खुश इसलिए क्योंकि उसके दादा जी गांव से उसके पास यहां, रायपुर जो आए हुए थे। पांचवीं कक्षा की उसकी परीक्षाएं खत्म हो चुकी थीं। इन दिनों उसके स्कूल में छुट्टियां थीं। दादा जी और रोहित में उम्र का बहुत बड़ा फासला था लेकिन दोनों के बीच दोस्तों जैसा रिश्ता था। वे दोनों आपस में खूब हंसी-मजाक और चुहल करते रहते।

एक दिन रोहित के दिमाग में आया कि क्यों न दादा जी को पहली अप्रैल को अप्रैल फूल बनाया जाए। ऐसा करने के लिए वह कोई तरकीब सोचने लगा। थोड़ा सोचने पर उसे एक तरकीब सूझ गई।

दादा जी सुबह जल्दी उठ जाते थे, फिर नहा-धोकर तैयार होकर पार्क में सैर करने जाते थे। पार्क में सैर करने के लिए आने वाले अशोक जी से उनकी दोस्ती हो गई थी। वे दोनों हर रोज साथ में ही सैर किया करते थे। रोहित ने योजना बनाई कि पहली अप्रैल की सुबह दादा जी को कह देगा कि अशोक अंकल ने फोन पर बताया है कि आज वे पार्क में नहीं जाएंगे, बल्कि दादा जी से मिलने घर आएंगे। रोहित ने सोचा कि ऐसा कहने पर दादा जी सैर करने नहीं जाएंगे और अशोक अंकल का इंतजार करते हुए घर में ही रहेंगे। इस तरह दादा जी अप्रैल फूल बन जाएंगे।

दादा जी रोहित के कमरे में ही सोते थे। इकतीस मार्च की रात को सोने से पहले रोहित ने दादा जी के मोबाइल फोन पर सुबह पांच बजे का अलार्म लगा दिया ताकि वह पहली अप्रैल की सुबह दादा जी से अशोक अंकल वाली बात कह सके। अगली सुबह अलार्म बजने पर रोहित की नींद खुली तो उसने देखा कि दादा जी अभी सो रहे हैं। वह दादा जी के जागने का इंतजार करने लगा। कुछ देर बाद जैसे ही दादा जी जागे, रोहित ने अशोक जी के आज सुबह घर में आने की बात उन्हें बता दी। सुनकर दादा जी ने पूछा, 'तुम्हें यह कैसे पता है?' रोहित ने बताया, 'दादा जी, कल रात को अशोक अंकल ने लैंडलाइन फोन पर कॉल कर सूचित किया था। आपके मोबाइल फोन पर उनकी बात हो नहीं पा रही थी। यह सब कल रात को आपको बताना मैं भूल गया था।'

'तो ठीक है, मैं आज पार्क नहीं जाता। अशोक जी के आने से पहले नहा-धोकर तैयार हो जाता हूं।' कहकर दादा जी कमरे से निकल कर आंगन में बने बाथरूम में चले गए। रोहित को लगा कि उसकी योजना सफल हो रही है। वह निश्चिंत होकर बिस्तर में लेट गया। कुछ ही देर में उसे नींद आ गई।

थोड़ी देर बाद उसकी नींद खुली तो वह उठकर आंगन में गया। उसने देखा कि दादा जी का तौलिया आंगन में लगी रस्सी पर नहीं है और बाथरूम का दरवाजा बंद है। वह समझ गया कि दादा जी बाथरूम में नहा रहे हैं। रोहित आंगन में एक कुर्सी पर बैठ कर दादा जी के बाथरूम से बाहर आने का इंतजार करने लगा ताकि उन्हें देखते ही 'अप्रैल फूल बनाया!' कह सके, मगर बहुत वक्त बीत जाने पर भी दादा जी बाहर नहीं आए। रोहित को हैरानी हो रही थी कि आज दादा जी इतनी देर तक क्यों नहा रहे हैं? आखिर उससे रहा न गया और वह मम्मी-पापा के कमरे की तरफ चल पड़ा। कमरे में पापा कुर्सी पर बैठे अखबार पढ़ रहे थे। वह पापा से दादा जी के बारे में बात करना ही चाहता था कि तभी दरवाजे की घंटी बजी। पापा उठकर दरवाजा खोलने गए तो वह उनके साथ हो लिया। पापा ने दरवाजा खोला तो सामने दादा जी खड़े थे। 'पिता जी, आ गए आप सैर करके?' पापा ने दादा जी से पूछा। 'हां, बेटा।' कहते हुए दादा जी घर के अंदर आ गए। रोहित को हैरानी हो रही थी कि दादा जी बाहर से कैसे आ रहे हैं। उसके हिसाब से तो दादा जी को बाथरूम में होना चाहिए था। उसने हैरानी से दादा जी की ओर देखा, वह हंसते हुए बोले, 'अप्रैल फूल बनाया..!' 'पर दादा जी, आप तो बाथरूम में थे न!' रोहित में हैरानी से पूछा। 'बेटा, बाथरूम में कोई नहीं था। बस यह जताने के लिए कि मैं बाथरूम के अंदर हूं, नहाने के बाद मैंने अपना तौलिया बाथरूम के अंदर ही रहने दिया था, आंगन में रस्सी पर नहीं फैलाया था और बाथरूम का दरवाजा बंद करके सैर करने चला गया था। जाने से पहले तुम्हारे मम्मी-पापा को सारी बात मैंने बता दी थी। तुम मुझे अप्रैल फूल बनाने के चक्कर में हो, इस बात का अंदाजा मुझे तभी हो गया था, जब कल रात तुमने मेरे फोन में सुबह पांच बजे का अलार्म लगाया था। तुम तो सुबह इतनी जल्दी कभी उठते नहीं हो और सुबह उठने के लिए मुझे अलार्म की जरूरत होती ही नहीं। आज सुबह अलार्म बजने से पहले ही मेरी नींद खुल चुकी थी और मैं सोने का नाटक कर रहा था। एक बात और सुन लो, अशोक जी तो इन दिनों रायपुर में हैं ही नहीं। वे तो किसी काम से भोपाल गए हैं।' दादा जी मुस्कुराते हुए सारी बात बता रहे थे और रोहित सुन रहा था। दादा जी को अप्रैल फूल बनाने के चक्कर में खुद वही अप्रैल फूल बन गया था। *

तुम्हारे लिए किताब / समीर गांगुली

आओ, नाटक खेलें

बच्चो, पिछले दिनों एक अच्छी किताब पढ़ी। जिसे पढ़कर लगा कि इसके बारे में तुम लोगों को जरूर बताना चाहिए। यह किताब नाटक की है, लेकिन इसमें कोई नाटक नहीं है, बल्कि इस बारे में है कि तुम लोग कैसे नाटक बना कर उसे खेल सकते हो?

उमा आनंद लिखित 'आओ, नाटक खेलें' नाम की यह किताब पहली बार 1971 में प्रकाशित हुई थी। अब तक इसकी चौंतीस आवृत्तियां आ चुकी हैं, जो बताती है कि यह किताब कितनी लोकप्रिय है। इसमें कहानी-कहानी में रोचक तरीके से और एक पेशेवर नाटक निर्देशक के जरिए नाटक के सभी अंगों जैसे-पात्र, परिवेश, रंगमंच व्यवस्था, वस्त्र-सज्जा, सामग्री व्यवस्था, रिहर्सल, दर्शकों तक पहुंचने और नाटक के चयन की जानकारी दी गई है। बच्चो, तुम जब इस किताब को पढ़ोगे तो पता चल जाएगा कि कोई नाटक कैसे तैयार होता है? फिर इस कहानी के पात्र दीपक, डीडो, पारो और टप्पो की तरह तुम भी अपनी कॉलोनी या स्कूल में कोई नाटक खेल सकते हो। नाटक की अपने तरह की इस अनूठी किताब को पढ़कर तुम्हें भी लगेगा 'वाह! यह किताब कितनी अच्छी है। नाटक के बारे में बहुत सरल और रोचक ढंग से जानकारी देती है।' तो तुम भी यह रोचक किताब मंगवाकर पढ़ो। नाटक से संबंधित बारीकियां सीखो, खुद नाटक खेलो और वाहवाही पाओ। *

किताब: आओ, नाटक खेलें, **लेखक**: उमा आनंद, **अनुवादक**: बलराज पंडित, **मूल्य**: 55 रुपए, **प्रकाशक**: नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत

रंग भरो-198

रंग भरो-198 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

ईशानी, बिलासपुर

प्रत्यूषा, राजनांदगांव

प्रणीका, बिलासपुर

आदित्य, खैरागढ़

शिफा, महासमुंद

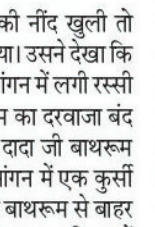

समृद्धि, शहडोल

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

कायवी-रायपुर, प्रभु-कोरबा, प्रगति-बिलासपुर, थैलेश-राजनांदगांव, हिमांशु-राजनांदगांव, लोकेश-जबलपुर, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, सर्वेश-कोरबा, कुसुम-बलौदा बाजार

रंग भरो 199

बच्चो, यहां अप्रैल फूल-डे से रिलेटेड प्रैंक-ट्रॉय का एक ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

हनुमान मंदिर नवनिर्माण पश्चात विविध अनुष्ठानों के साथ होगा शिखर कलश पूजन

- कलश यात्रा, शोभायात्रा, रात्रि कीर्तन का होगा भव्य आयोजन

छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। नगर के सबसे प्राचीन व पुराने रंगमंच स्थित हनुमान मंदिर के नवनिर्माण के उपरांत शिखर कलश पूजन समारोह व स्थापना सहित श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर दो दिवसीय भव्य आयोजन मंदिर परिसर में होंगे। मारूति सेवा समिति व मंदिर निर्माण समिति के तत्वाधान में भव्य कलश यात्रा, बेदी पूजन, शिखर कलश पूजन, स्थापना, स्तंभ पूजन, सुंदरकांड पाठ, पंच रस अभिषेक, सहस्त्रार्चन, हवन, पूजन, भंडारा, विशाल शोभायात्रा, संकिर्तन, जागरण, सजीव झांकियों व स्वल्पाहार प्रसाद दो दिनों के धार्मिक अनुष्ठान की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि श्री हनुमान मंदिर के नवनिर्माण को लेकर विगत दो वर्षों पूर्व सेवा संकल्प के साथ प्रारंभ किये गये कार्य को इस वर्ष अंतिम रूप दिया जा रहा है। लगभग 50 लाख रूपये की लागत से मंदिर के नवनिर्माण कार्य को पूर्ण किया गया है, जो अब आकर्षक व भव्य स्वरूप के साथ अपनी स्थापत्य कला के रूप में नयनाभिराम स्वरूप में आ गया है। ब्राम्हण देवता रामसुवन त्रिपाठी, पप्पु महाराज, गोलु महाराज के पावन सानिध्य में संपूर्ण धार्मिक कार्यक्रम संपन्न होंगे।

1 अप्रेल को सुबह श्रीराम मंदिर मेन रोड से हनुमान मंदिर तक भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। उसके पश्चात बेदी पूजन, शिखर कलश पूजन, शिखर स्थापना, स्तंभ पूजन, सुंदरकांड पाठ के उपरांत आरती व प्रसाद वितरण होगा। 2 अप्रेल को श्री हनुमान जन्मोत्सव पर प्रात: 9 बजे से पंच रस अभिषेक, सहस्त्रार्चन, हवन, पूजन व दोपहर 1 बजे से भंडारा एवं शाम 4 बजे बजरंग दल व समितियों के द्वारा विशाल व भव्य शोभायात्रा आकर्षक झाकियों के साथ निकाली जाएगी। शाम 7 बजे सामूहिक हनुमान चालिसा पाठ के उपरांत रात्रि 8 बजे से संकिर्तन, जागरण, सजीव झांकियों में श्री नवयुवक दुर्गा मंडल व बाहर के कलाकारों के द्वारा भक्ति से ओतप्रोत भजनों की अमृत वर्षा की जाएगी। इस दौरान रात्रि में श्रद्धालुओं व भक्तों के लिए स्वल्पाहार प्रसाद की व्यवस्था होगी। आयोजन की तैयारियों को लेकर अजय अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, विकास अग्रवाल, अमित तायल, दीपक गोयल, पवन गर्ग, अवधेश गोयल, प्रमोद तायल, संजय अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, नलिन जिंदल, गौरीश जिंदल, पुनित मित्तल, राहुल अग्रवाल, गोलू जिंदिया सहित बजरंग दल की टीम व मंदिर से जुड़े भक्तगण सक्रिय हैं।

सीएम ने 26.93 करोड़ के विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण और शिलान्यास

छ.ग. फ्रंटलाइन । रायपुर
मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 29 मार्च को बिलासपुर प्रवास के दौरान अरपा रिवर व्यू के समीप नवनिर्मित अटल परिसर में आयोजित समारोह में 26.93 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा है कि सुशासन सरकार का उद्देश्य शहरों को आधुनिक अधोसंरचना और बेहतर नागरिक सुविधाओं से सुसज्जित करना है, ताकि विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा लगभग 12.43 करोड़ रुपए की लागत से पूर्ण हुए कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा। इनमें 50 लाख रुपए की लागत से निर्मित अटल परिसर, 73.22 लाख रुपए से निर्मित वार्ड क्रमांक 18 स्थित मराठी कन्या शाला भवन का प्रथम तल, 10 करोड़ रुपए की लागत से इमलीपारा में निर्मित व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स तथा 1.20 करोड़ रुपए से निर्मित रक्षित आरक्षी केंद्र शामिल हैं। ये सभी कार्य शहर की शहरी अधोसंरचना को सुदृढ़ करने के साथ-साथ नागरिकों को बेहतर एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री श्री साय लगभग 14.50 करोड़ रुपए की लागत के नए विकास कार्यों का भूमिपूजन भी करेंगे। इनमें 12.95 करोड़ रुपए की लागत से अरपा क्षेत्र में सड़क, नाला एवं पिचिंग निर्माण कार्य, 1.04 करोड़ रुपए से जरहाभाठा क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण एवं नवीनीकरण कार्य तथा उसलापुर क्षेत्र में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा एवं चबूतरा निर्माण कार्य शामिल हैं। इन परियोजनाओं से शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी, यातायात व्यवस्था अधिक सुगम होगी और नागरिकों को बेहतर शहरी सुविधाएं प्राप्त होंगी।

भक्त माता कर्मा जयंती महोत्सव को लेकर हुई बैठक

छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। भक्त माता कर्मा जयंती महोत्सव को लेकर तहसील साहू संघ प्रेमनगर की बैठक तहसील अध्यक्ष प्रेमनगर राजपाल साहू की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में रविवार को सूरजपुर जिला मुख्यालय में होने वाले प्रदेश स्तरीय भक्त माता कर्मा जयंती महोत्सव एवं सामाजिक समागम कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर गहन चर्चा किया गया। सामाजिक एकता एवं अखंडता का परिचय देने के लिए कार्यक्रम में प्रत्येक घर से महिला पुरुष समेत अधिक से अधिक संख्या में सूरजपुर जाने के लिए किए जा रहे व्यवस्थाओं पर चर्चा किया गया। जिसमें समाज के प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं के व्यय से स्वस्फूर्त होकर कार्यक्रम में शामिल होने की बात कही गई। इसके बाद भी कठिन परिस्थितियों में इकाइयों द्वारा जो संभव हो सकता है वो व्यवस्थाएं की जाएंगी। युवा शक्ति के रूप में युवाओं द्वारा होने वाले बाइक रैली हेतु युवा प्रकोष्ठ द्वारा किए जा रहे तैयारियों के बारे में बताया गया। इसके साथ ही जिले द्वारा सहयोग राशि हेतु दिए गए लक्ष्य को पूरा करने के लिए सभी इकाइयों द्वारा कठिन परिश्रम करते हुए घर-घर जाकर सहयोग संकलन किया जा रहा है एवं न्यौता पाती के साथ भक्त माता कर्मा की जीवनी का पत्रक बांटा जा रहा है। तहसील साहू संघ के अध्यक्ष राजपाल साहू ने सभी स्तरों के पदाधिकारियों समेत समस्त स्वजातीय बंधुओ, माताओं बहनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गई। बैठक में राजपाल साहू अध्यक्ष तहसील साहू संघ, दानवीर रामगोपाल साहू, विजय कुमार साहू, रमेश कुमार साहू, रामलल्लू साहू, श्रवण कुमार साहू, हंसे लाल साहू, सतीश साहू, रामलखन साहू, रामकरण साहू, नंदकिशोर साहू, सुभाष साहू, धर्मेंद्र साहू, नोहरलाल साहू,रामप्रताप साहू समेत बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस की है पर्याप्त उपलब्धता, अफवाहों से सावधान

- मुख्यमंत्री ने घरेलू गैस सिलेंडरों की निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के दिए निर्देश
- जमाखोरी और कालाबाजारी पर होगी सख्त कार्रवाई

छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। राज्य में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार पूरी सतर्कता से कार्य कर रही है। इसके लिए शनिवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी संभागायुक्त, आईजी, कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक कर जिलेवार स्थिति की समीक्षा की। इसके अलावा बैठक में परिवहन व्यवस्था, श्रमिक प्रबंधन, उर्वरक आपूर्ति, कानून व्यवस्था और ऊर्जा संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों या दुष्प्रचार से प्रभावित न हों और अनावश्यक रूप से ईंधन या गैस का भंडारण न करें।

जमाखोरी पर होगी सख्त कार्रवाई- कलेक्टर एस जयवर्धन ने बताया कि जिला खाद्य विभाग द्वारा प्रतिदिन स्टॉक एवं वितरण की निगरानी की जा रही है। अवैध भंडारण और दुरुपयोग रोकने के लिए नियमित जांच और छापेमारी की जा रही है। किसी भी अनियमितता पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए हेल्पलाइन नंबर जारी कर त्वरित समाधान की कार्रवाई की जा रही है।

उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800-233-3663 जारी किया गया है। इस दौरान कलेक्टर ने भी निर्देश दिए हैं कि प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

बुकिंग के तय किए गए नियम-एलपीजी उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे तय अंतराल के अनुसार ही रिफिल बुकिंग कराएं। नगरीय क्षेत्रों में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन का अंतराल निर्धारित किया गया है, जिससे सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध हो सके। साथ ही व्यावसायिक एलपीजी उपयोग के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। अस्पताल और शैक्षणिक संस्थानों जैसी आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। बिना लाइसेंस 100 किलोग्राम से अधिक गैस भंडारण पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस दौरान पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर ने कह है कि जमाखोरी या कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी भी प्रकार की अनियमितता की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने गैस एजेंसियों और उचित मूल्य दुकानों को पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि वे अफवाहों से दूर रहें और आवश्यक वस्तुओं का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें, ताकि सभी को समान रूप से लाभ मिल सके। इसके अलावा उक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में राज्य में परिवहन सुविधा, श्रमिक प्रबंधन, उर्वरक प्रबंधन , कानून व्यवस्था, ऊर्जा संरक्षण को लेकर चर्चा करते हुए सार्वजनिक परिवहन का निर्बाध संचालन, कृषि में उर्वरकों की उपलब्धता, सतत बिजली आपूर्ति और श्रमिकों को शासन की योजना से लाभान्वित करने के निर्देश भी दिए गए। इस वीडियो कांफ्रेंसिंग में जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

'वन्दे मातरम् के 150 वर्ष' विषय पर हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी

छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। यहां के कन्या महाविद्यालय एवं पंडित रविशंकर त्रिपाठी महाविद्यालय भैयाथान के संयुक्त तत्वावधान में उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रायोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन बीते दिनों यहां मंगल भवन में किया गया। संगोष्ठी का विषय वन्दे मातरम् 150 वर्ष इतिहास, साहित्य, संगीत एवं राजनीति का संगम' था। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के गायन से हुआ, जिसके पश्चात छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत एवं नृत्य प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। संगोष्ठी में सम्मानित अतिथि के रूप में डॉ. गोवर्धन यदु, संचालक, छत्तीसगढ़ राज्य हिंदी ग्रंथ अकादमी एवं सहायक संचालक, उच्च शिक्षा विभाग; प्रो. अनिल कुमार सिन्हा, प्राचार्य, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर; तथा प्रो. एच. एन. दुबे, प्राचार्य, शासकीय रेवती रमण मिश्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय सूरजपुर की गरिमामयी उपस्थिति रही।

प्राचार्य बृजलाल साहू ने स्वागत उद्बोधन दिया। संगोष्ठी के समन्वयक संदीप कुमार सोनी ने आयोजन के उद्देश्यों एवं महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. सचिन कुमार मंदिलवार, वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग, मगध विश्वविद्यालय बोधगया बिहार ने अपने व्याख्यान से उपस्थित जनों को वंदे मातरम् के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व से अवगत कराया। आमंत्रित वक्ताओं के रूप में डॉ. रामकिंकर पाण्डेय, प्राचार्य, शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय मनेंद्रगढ़ एवं डॉ. अजय पाल सिंह, सहायक प्राध्यापक, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर ने संगोष्ठी विषय के विविध आयामों पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विद्वानों एवं शोधार्थियों के शोध सारांश की स्मारिका का विमोचन सम्मानित अतिथियों के करकमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. धनंजय पाण्डेय, सहायक प्राध्यापक एवं श्रीमती हूमी सिंह, अतिथि व्याख्याता द्वारा किया गया। अंत में दिग्विजय सिंह, सहायक प्राध्यापक ने सभी का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों से आए प्राध्यापक, शोधार्थी, छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य अतिथि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अंबिकापुर: कमिश्नर के हाथों ग्रहण किया 'वर्ल्ड रिकॉर्ड इंडिया' का खिताब

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नगर के प्रतिष्ठित संस्थान ब्रेन एकेडमी के संचालक, आध्यात्मिक साधक और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स व वर्ल्ड रिकॉर्ड अचीवर लाल विजय श्रीवास्तव ने एक और अभूतपूर्व कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने दोपहर 12:30 बजे, 33 डिग्री के भीषण तापमान में लगातार 12 मिनट 53 सेकंड तक सूर्य त्राटक कर 'वर्ल्ड रिकॉर्ड इंडिया' में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज कराया।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि के पश्चात, उन्होंने अपना प्रमाण पत्र मां महामाया मंदिर में माता के चरणों में समर्पित किया। यह सम्मान उन्हें अंबिकापुर कमिश्नर नरेंद्र कुमार दुग्गा द्वारा प्रदान किया गया। कमिश्नर साहब ने लाल की एकाग्रता की सराहना करते हुए ब्रेन एकेडमी को भविष्य में हर संभव सहयोग देने और लाल को वैश्विक पहचान दिलाने हेतु पूर्ण मदद का आश्वासन दिया है। ब्रेन एकेडमी, जहाँ किताबें नहीं, दिमाग पढ़ाया जाता है। लाल विजय श्रीवास्तव 'ब्रेन एकेडमी' के माध्यम से बच्चों के मानसिक और आध्यात्मिक विकास हेतु समर्पित हैं। एकेडमी के चार मुख्य स्तंभ बच्चों को 'जीनियस' बनाने का कार्य कर रहे हैं। द सनशाइन सीड्स प्ले स्कूल जहा नन्हें बच्चों की नींव मजबूत करना। मास्टरमाइंड अबेकस गणितीय कौशल और मस्तिष्क का तीव्र विकास।

कोचिंग सेंटर (कक्षा 1 से 10वीं): नवोदय एवं सैनिक स्कूल की विशेष तैयारी के साथ विषयगत ज्ञान।

लालजी मेडिटेशन सेंटर: कॉलेज के युवाओं और आम जन हेतु ध्यान व फोकस बढ़ाने की विशेष कक्षाएं।

लालजी ने अंबिकापुर वासियों से विशेष अनुरोध किया है कि वे अपने बच्चों को एकेडमी लाएं, जहाँ अबेकस और प्राचीन त्राटक विद्या के माध्यम से उनके मस्तिष्क को प्रखर बनाया जाता है।

मवेशियों को पिकअप सहित जब्त,चालक

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पिकअप वाहन में क्रूरतापूर्वक लोड करके बूचड़खाना ले जा रहे 4 भैंस को गांधीनगर थाना पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर चालक को गिर तार कर लिया है। ठेकेदारी करने वाले बौरीपारा केनाबांध निवासी आदित्य पाण्डेय पिता रमेश पाण्डेय 25 साल ने कोतवाली थाना पुलिस को सूचना दी थी कि 25 मार्च को रात को करीब 10 बजे सकालो मु य मार्ग के पास एक पिकअप क्रमांक यूपी 25 ईटी 8461 का चालक, वाहन को खड़ी करके हेड लाइट बना रहा था। पिकअप वाहन में 4 भैंसा को क्रूरतापूर्वक रस्सी से बांधकर रखा गया था। चालक ने पूछताछ में अपना नाम मैसर खान पिता कासम खान निवासी अलीनगर, थाना भोजीपुरा, जिला बरेली उत्तर प्रदेश बताया। भैस को क्रूरतापूर्वक ले जाने के संबंध में पूछने पर उसने इन्हें बुचड़खाना ले जाने की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पिकअप वाहन सहित चालक को अपने कब्जे में ले लिया, और मामले में पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11डी, छत्तीसगढ़ पशु कृषिक परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 10, 4, 6 का मामला दर्ज किया है।

शिक्षा की गुणवत्ता जाँचने पीएमश्री विद्यालयों का कलेक्टर, एसएसपी व डीएफओ ने किया निरीक्षण

छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। जिले में पीएमश्री विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं को परखने वरिष्ठ अधिकारियो द्वारा विद्यालयों का निरीक्षण किया। कलेक्टर से लेकर पुलिस प्रमुख और वन विभाग आला अधिकारी तक सभी ने मैदान में उतरकर शिक्षा व्यवस्था का सीधा जायजा लिया। केंद्र एवं राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी पीएमश्री योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने जिलों के वरिष्ठ अधिकारियों को राज्य नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। इस क्रम में जिले से कलेक्टर एस. जयवर्धन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर एवं डीएफओ डी. पी. साहू को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सूरजपुर विकासखंड अंतर्गत पीएमश्री जयनगर का निरीक्षण कलेक्टर एस. जयवर्धन ने किया। उन्होंने विद्यालय में सेचुरेशन के 24 निर्धारित बिंदुओं की बारीकी से समीक्षा की, कमियों को चिन्हित किया और प्राचार्य को आवश्यक सुधार हेतु स्पष्ट निर्देश दिए। इसी क्रम में पीएमश्री प्राथमिक शाला राजापुर का निरीक्षण वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर ने किया। ओड़गी विकासखंड अंतर्गत पीएमश्री सेजस ओडगी का निरीक्षण डीएफओ डी.पी.साहू ने किया। जिले के कलेक्टर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक व डीएफओ का विद्यालय निरीक्षण हेतु स्वयं पहुंचना प्रशासन की शिक्षा के प्रति गंभीर प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। तीनों विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान डीएमसी समग्र शिक्षा मनोज कुमार साहू, विकासखंड शिक्षा अधिकारी सूरजपुर हरेंद्र सिंह, खंड स्रोत समन्वयक मनोज मंडल एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित 50वीं प्रगति बैठक में पीएमश्री विद्यालयों के निरीक्षण हेतु संयुक्त सचिव स्तर एवं उससे वरिष्ठ अधिकारियों की टीम गठित करने के निर्देश दिए गए थे। उसी के अनुपालन में यह निरीक्षण अभियान संचालित किया जा रहा है। पीएम श्री योजना के अंतर्गत चयनित इन विद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप स्मार्ट क्लासरूम, आईसीटी लैब, अटल टिंकरिंग लैब एवं बेहतर खेल सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण एवं अनुभवात्मक शिक्षा प्रदान की जा रही है। जिला प्रशासन के इस निरीक्षण अभियान का उद्देश्य इन विद्यालयों को आसपास के स्कूलों के लिए रोल मॉडल के रूप में स्थापित करना है।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026 के विरोध में निकली रैली, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

कहा-अल्पसंख्यकों पर लग रहे निराधार आरोप, हो रही एफआइआर एवं गिरफ्तारियां

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा पारित छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक, 2026 के विरोध में भारत मुक्ति मोर्चा के बैनर तले शहर में विशाल रैली निकालकर कलेक्टोरेट चौक में तहसीलदार को छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। रैली में उपस्थित महिला-पुरूषों ने जमकर नारेबाजी की और धर्म विधेयक काला कानून वापस लो, नारे लगाए।

रैली में शामिल लोगों ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा में 19 मार्च 2026 को पारित छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026 को ध्वनि मत से पारित किया गया है, जो वर्तमान में राज्यपाल के पास सहमति के लिए लंबित है। राज्य में पहले से ही मध्य प्रदेश धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम 1968, प्रदेश पुनर्गठन के बाद लागू है, इसके अंतर्गत छल, बल या प्रलोभन से धर्मांतरण को रोकने का प्रावधान है। इनका कहना है कि छत्तीसगढ़ राज्य में किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूहों द्वारा धर्मांतरण संविधान के अनुच्छेद 25 का अनुशरण करते हुए किया जाता है, न कि छल, बल अथवा प्रलोभन से। आरोप है कि विगत कई वर्षों से धार्मिक अल्पसंख्यकों के विरुद्ध निराधार आरोपों पर एफआईआर एवं गिरफ्तारियां हो रही हैं। धार्मिक स्थलों पर प्रतिबंध, सामाजिक बहिष्कार, अंतिम संस्कार में बाधा, बलपूर्वक विस्थापन और हिंसक घटनाएं हो रही हैं। अल्पसंख्यक वर्गों के निर्दोष व्यक्तियों को झूठे मामलों में लंबी मुकदमेबाजी, जमानत न मिलने तथा आर्थिक, मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश में धार्मिक स्वतंत्रता, संवैधानिक मूल्यों तथा सामाजिक सद्भाव को बनाए रखने की दृष्टि से प्रस्तावित विधेयक की मुख्य धाराएं गहन चिंता का विषय है। नए विधेयक में शामिल उपबंधों के दुरुपयोग की संभावना बढ़ेगी। विधेयक में धर्मांतरण की झूठी शिकायत करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई का कोई प्रावधान नहीं है, जो पूर्वाग्रह को उजागर करता है, और लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित प्रतीत नहीं होता है। विधेयक से होने वाले संभावित परिणाम की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा गया है कि इससे धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ असुरक्षा और उत्पीड़न की स्थिति बनेगी। वैध धार्मिक गतिविधियों, सामाजिक सेवाओं, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। सामाजिक सौहार्द्र और धार्मिक सद्भाव में गिरावट आएगी। राज्य की धर्मनिरपेक्ष छवि को क्षति पहुंचेगी।

स्वैच्छिक धर्म परिवर्तन व्यक्ति की अंत:करण स्वतंत्रता

संवैधानिक चिंता जताते हुए भारत मुक्ति मोर्चा के प्रतिनिधियों ने कहा है कि यह विधेयक भारतीय संविधान के अनुच्छेद समानता का अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता तथा धार्मिक स्वतंत्रता का स्पष्ट उल्लंघन करता है। स्वैच्छिक धर्म परिवर्तन व्यक्ति की अंत:करण की स्वतंत्रता का अभिन्न अंग है। मौजूदा अधिनियम के लागू होने के बाद आज तक एक भी मामला बल, छल या प्रलोभन से धर्मांतरण का साबित नहीं हुआ है। सौंपे गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि सर्वोच्च न्यायालय ने बार-बार स्पष्ट किया है कि आस्था का चयन व्यक्ति की गरिमा और स्वतंत्रता का हिस्सा है। कई समान कानूनों के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में याचिकाएं लंबित हैं।

भारत मुक्ति मोर्चा ने की मांग

राज्यपाल के नाम सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई है कि विधानसभा द्वारा पारित छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक, 2026 को तत्काल वापस लिया जाए या पुनर्विचार के लिए विधानसभा को भेजा जाए। मौजूदा व प्रस्तावित दोनों कानूनों की समीक्षा कराई जाए। सभी प्रमुख धर्मों के प्रतिनिधियों, नागरिकों समाज, मानवाधिकार संगठनों तथा कानून विशेषज्ञों से परामर्श लिया जाए। छत्तीसगढ़ में धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों के विरुद्ध हो रही हिंसा, हमलों, सामाजिक बहिष्कार और उत्पीड़न की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए, पीड़ितों को उचित सुरक्षा, मुआवजा, न्याय प्रदान किया जाए। विभाजनकारी कानून बनाने के बजाय धार्मिक सद्भाव, सामाजिक एकता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने के लिए सभी पक्षों से सार्थक संवाद स्थापित किया जाए।

ठेकेदारों ने पीएचई कार्यालय घेरा, उप अभियंता के खिलाफ खोला मोर्चा

बिल भुगतान नहीं होने पर तालाबंदी, आत्मदाह करने की दी है चेतावनी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) खण्ड अंबिकापुर में कार्यरत एक ठेकेदार द्वारा भुगतान में विलंब को लेकर गंभीर आरोप लगाते हुए आत्मदाह करने की चेतावनी देने की चेतावनी दी थी। इसी क्रम में ठेकेदारों ने जल जीवन मिशन के तहत सरगुजा जिले में हो रहे कार्यों को पूर्ण करने के बाद भी भुगतान नहीं करने और लखनपुर क्षेत्र के उप अभियंता द्वारा ठेकेदारों को परेशान करने का आरोप लगाते हुए शनिवार को पीएचई कार्यालय का घेराव किया और जमकर नारेबाजी की। इनके द्वारा उप अभियंता को हटाने की मांग की गई। ठेकेदारों ने चेतावनी देते हुए कहा कि उनके द्वारा लगाए गए आरोपों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई और भुगतान नहीं किया गया तो सभी ठेकेदार पीएचई विभाग के कार्यालय में 30 मार्च को तालाबंदी कर सकते हैं। इसी तिथि पर एक-दो ठेकेदारों ने आत्मदाह करने की भी चेतावनी दी है। प्रकरण में विभाग ने अपना दामन बचाने के लिए संबंधित अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करके जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, ठेकेदार रजनीकांत ने 27 मार्च को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) को दिए पत्र में आरोप लगाया है कि जल जीवन मिशन अंतर्गत किए गए कार्यों का भुगतान लंबे समय से लंबित है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों पर देयक तैयार करने के लिए अग्रिम कमीशन की मांग, ब्लैकमेलिंग एवं मानसिक प्रताड़ना जैसे गंभीर आरोप भी लगाए हैं। ठेकेदार का कहना है कि लगभग 65 लाख रुपये के कार्य के एवज में अब तक केवल 22 लाख रुपये का ही भुगतान किया गया है, शेष राशि एक वर्ष से लंबित है। पत्र में ठेकेदार ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया, तो वे 30 मार्च को दोपहर एक बजे पीएचई कार्यालय के समक्ष आत्मदाह करेंगे। इसके बाद 28 मार्च को ठेकेदारों ने पीएचई कार्यालय में हल्ला बोलकर अपनी बातों की ओर जिम्मेदार विभागीय अधिकारी का ध्यानाकर्षण कराया। इनके द्वारा लखनपुर क्षेत्र के उप अभियंता धर्मेन्द्र सिंह पर ठेकेदारों का देयक जान-बूझकर तैयार नहीं करने का आरोप लगाते हुए उप अभियंता को क्षेत्र से हटाने और कार्रवाई की मांग की गई।

ठेकेदारों ने कहा-लम्बे समय से हैं परेशान

ठेकेदार सतेन्द्र जायसवाल का कहना है कि विभाग में काम करने के बाद भुगतान नहीं होने से वे लम्बे समय से परेशान हैं। उप अभियंता धर्मेन्द्र सिंह के विरूद्ध वर्ष 2022 से शिकायत करने के बाद भी विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ठेकेदार रजनीकांत अग्रवाल ने बताया कि लखनपुर क्षेत्र के जुड़वानी का काम पूर्ण होने के बाद 65 लाख में मात्र 22 लाख का ही भुगतान किया गया है। उप अभियंता का कहना है कि स्टीमेट गलत बन गया था, भुगतान नहीं होगा। ऐसे में वे एक साल से परेशानी झेल रहे हैं। ठेकेदार धनंजय तिवारी ने सीधे विभाग पर ठेकेदारों को प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि ठेकेदारों से अनुबंध से अधिक का कार्य कराने के बाद स्टीमेट गलत बनने की बात कहकर भुगतान में टालमटोल किया जा रहा है। ठेकेदार भीमराज गर्ग का कहना है कि उनके द्वारा लखनपुर के ग्राम मांजा में जल जीवन मिशन का 2 करोड़ 15 लाख का काम 95 प्रतिशत पूर्ण कर दिया गया था। सड़क चौड़ीकरण के दौरान उनके द्वारा बनवाए गए स्टैंड पोस्ट व पाइपलाइन को सड़क निर्माण करने वाले ठेकेदार के कर्मचारियों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। जिम्मेदारों को इससे अवगत कराने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई और ना ही उन्हें भुगतान किया गया। ऐसे में कोई भी ठेकेदार लखनपुर क्षेत्र या उक्त उप अभियंता के कार्य क्षेत्र में काम करने के लिए किसी भी निविदा में भाग नहीं लेंगे।

संबंधित उप अभियंता को कारण बताओ नोटिस जारी करके निर्धारित समय-सीमा में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। प्राप्त जवाब के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।
ओमकार सिंह, कार्यपालन

ब्राउन शुगर का कारोबार छोड़ने के बाद शातिर महिला बेच रही थी नशीला इंजेक्शन

पुलिस की नजर से महफूज 3 गिरफ्तार, आबकारी उड़नदस्ता टीम की कार्रवाई

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। दर्रीपारा इलाके की कुख्यात ब्राउन शुगर विक्रेता शोभा कुशवाहा उर्फ गुड़िया व नशे का सामान उपलब्ध कराने वाले दो अन्य आरोपियों को 178 नग नशीली इंजेक्शन के साथ आबकारी उड़नदस्ता सरगुजा की टीम ने गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है।

सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता को शनिवार को मुखबिर से सूचना मिली कि दर्रीपारा निवासी शोभा कुशवाहा उर्फ गुड़िया के घर में शुक्रवार की रात को काफी मात्रा में नशीला इंजेक्शन बिक्री के लिए उतरा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए जब वे उड़नदस्ता टीम के साथ शोभा कुशवाहा उर्फ गुड़िया के घर तक पहुंचे तो सरकारी वाहन देखकर आरोपिया एक झोला लेकर भागने का प्रयास की, जिसे महिला सैनिक ने पकड़ लिया। आरोपिया के हाथ में रखे झोले की तलाशी लेने पर उसमें से 106 नग रेक्सोजेसिक इंजेक्शन और 72 नग एविल इंजेक्शन मिला। इसे जब्त करके टीम ने एनडीपीएस एक्ट के तहत आरोपिया को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ करने पर शोभा उर्फ गुड़िया ने बताया कि वह दर्रीपारा निवासी मनु श्रीवास्तव एवं सुंदर लाल कुर्रे से नशीला इंजेक्शन खरीदकर लाई थी। पुलिस ने दोनों नशीली इंजेक्शन के विक्रेताओं को भी गिरफ्तार कर लिया है। तीनों को विशेष न्यायाधीश नारकोटिक्स अंबिकापुर में प्रस्तुत किया गया, जहां से इन्हें जेल दाखिल का आदेश प्राप्त हुआ। कार्रवाई जिला आबकारी अधिकारी इन्द्रबली सिंह मार्कण्डेय के मार्गदर्शन में सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने आबकारी मुख्य आरक्षक रमेश दुबे, कुमारू राम, अशोक सोनी, नगर सैनिक गणेश पाण्डेय, रणविजय सिंह, ओम प्रकाश गुप्ता, महिला सैनिक चंद्रावती एवं नीरज चौहान के साथ की।

पूर्व में छापामार कार्रवाई दौरान नहीं मिली सफलता

सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि शोभा कुशवाहा उर्फ गुड़िया लगभग 15-20 साल से अंबिकापुर में ब्राउन शुगर जैसे नशीले पदार्थ का व्यापार करती आ रही है, परंतु अब वह ब्राउन शुगर की जगह नशीला इंजेक्शन बेच रही थी। मुखबिर की सूचना पर एक दो बार उन्होंने पूर्व में छापामार कार्रवाई की थी, परंतु सफलता हाथ नहीं लग पाई थी। शोभा कुशवाहा पहले भी कई बार जेल जा चुकी है। आबकारी उड़नदस्ता टीम की नशीले इंजेक्शन के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई के बाद नशीले इंजेक्शन के व्यापार पर रोक लगने की संभावना बनी है।

नई दिशा की बालिकाओं के बीच सांस्कृतिक आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नवरात्रि के मौके पर सेवा किटी की सदस्यों द्वारा घुमंतू एवं कामगार परिवार की बालिकाओं के प्राथमिक शिक्षा हेतु संचालित नई दिशा आवसीय विद्यालय में प्रतिवर्षनुसार इस वर्ष भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर सेवा किटी की संस्थापिका वन्दना दत्ता ने बच्चियों को बताया कि सावधानी रखकर ही हम खुद को सुरक्षित रख सकते हैं। सेवा किटी की पहल 'परवाज' के अंतर्गत बच्चियों का बौद्धिक ज्ञान विकसित किया गया। बच्चियों ने सुंदर नृत्य एवं नाटिका प्रस्तुत किया, जिसे सभी ने सराहा। इस अवसर पर गायत्री अग्रवाल, नीलिमा गोयल, स्मिता तिवारी, संस्था की प्रभारी वर्षा उपगड़े एवं अन्य स्टाफ उपस्थित थे। बालिकाओं को गिफ्ट में स्टील का प्लेट, फल, मिठाई वितरण किया गया। समिति ने पूर्व में भी संस्था की अधीक्षिका का ध्यान परिसर की सुरक्षा हेतु बाउंड्रीवॉल के लिए कराया था, पुन: इस ओर ध्यानाकर्षण कराते हुए सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं दी।

मवेशियों को पिकअप सहित जब्त, चालक गिर तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पिकअप वाहन में क्रूरतापूर्वक लोड करके बूचड़खाना ले जा रहे 4 भैंस को गांधीनगर थाना पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर चालक को गिर तार कर लिया है। ठेकेदारी करने वाले बौरीपारा केनाबांध निवासी आदित्य पाण्डेय पिता रमेश पाण्डेय 25 साल ने कोतवाली थाना पुलिस को सूचना दी थी कि 25 मार्च को रात को करीब 10 बजे सकालो मु य मार्ग के पास एक पिकअप क्रमांक यूपी 25 ईटी 8461 का चालक, वाहन को खड़ी करके हेड लाइट बना रहा था। पिकअप वाहन में 4 भैंसा को क्रूरतापूर्वक रस्सी से बांधकर रखा गया था। चालक ने पूछताछ में अपना नाम मैसर खान पिता कासम खान निवासी अलीनगर, थाना भोजीपुरा, जिला बरेली उत्तर प्रदेश बताया। भैस को क्रूरतापूर्वक ले जाने के संबंध में पूछने पर उसने इन्हें बुचड़खाना ले जाने की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पिकअप वाहन सहित चालक को अपने कब्जे में ले लिया, और मामले में पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11डी, छत्तीसगढ़ पशु कृषिक परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 10, 4, 6 का मामला दर्ज किया है।

क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर शिक्षिका से ठग लिए 4.50 लाख

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गांधीनगर थाना क्षेत्र की एक शिक्षिका से खुद को क्राइम ब्रांच रायपुर का अधिकारी बताकर 4 लाख 50 हजार रुपये की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है, और अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

शिक्षिका ने पुलिस को बताया है कि 19 मार्च को कक्षा 5वीं की बोर्ड परीक्षा संपन्न होने के बाद जैसे ही वे घर पहुंचीं, उसी समय उनके मोबाइल नम्बर में अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। उन्होंने विभाग से संबंधित किसी का फोन होगा, सोचकर फोन उठाया। इधर फोन करने वाले ने क्राइम ब्रांच रायपुर से बोल रहा हूं, कहते हुए परिचय दिया और कहा कि मैडम आप गुगल से गंदे चित्र देखती हो, जो दंडनीय अपराध है, आपको तुरंत गिरफ्तार किया जाएगा। फोन करने वाले की बातों को सुनकर शिक्षिका डर गई। ठग ने शिक्षिका को नब्ज को भांपने के बाद घर में किसी से कुछ नहीं बताने के लिए कहा। साथ ही धमकी दी कि, आपको गिरफ्तार करके हाथ-पैर को अंगुलिया काट दी जाएगी।

इसके बाद भयभीत शिक्षिका, कथित रूप से क्राइम ब्रांच के नाम पर भयादोहन कर रहे ठग से बचने के लिए उसके द्वारा मोबाइल नम्बर और बैंक खाते में विभिन्न माध्यमों से रकम ट्रांसफर करते चली गई। शिक्षिका ने मोबाइल नम्बर पर 19 मार्च को तीन बार में एक लाख रुपये, 20 मार्च को 20 हजार रुपये, शिक्षिका के पति द्वारा च्वाइस सेवा केन्द्र गांधी चौक से 30 हजार एवं 40 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिया। पुन: 21 मार्च को 40 हजार रुपये, 22 मार्च को 45 हजार रुपये, 24 मार्च को तीन बार में क्रमश: 25 हजार रुपये, 40 हजार और 20 हजार रुपये, 25 मार्च को 50 हजार और 40 हजार रुपये इधर-उधर से व्यवस्था करके ठग के द्वारा बताए गए नम्बर में ट्रांसफर कर दिया। 4 लाख 50 हजार रुपये प्राप्त करने के बाद ठग ने कहा कि आपका पैसा जमा हो रहा है, तीन दिन बाद वापस हो जाएगा। इतना रकम प्राप्त करने और ठग की डीमांड को देखकर उन्हें ठगी का एहसास हुआ, और वे पुलिस के पास पहुंचीं। रिपोर्ट पर गांधीनगर थाना पुलिस ने अज्ञात के विरूद्ध बीएनएस की धारा 318(4) का मामला दर्ज कर लिया है, और अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

बाइक से अनियंत्रित होकर गिरे युवक की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। दोस्त के साथ मोटरसायकल में घूमने निकला युवक अनियंत्रित होकर गिर गया। क्षेत्रीय अस्पताल से रिफर करने पर स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम कोटेया निवासी सुमीत सिंह पिता रामप्रकाश सिंह 20 वर्ष, 27 मार्च को बाइक से परसापाली में रहने वाले नितेश के साथ शाम को घूमने निकला था। दरिमा के धनौरा मोड़ में दोनों अनियंत्रित होकर बाइक सहित गिर गए थे, जिसमें सुमीत को ज्यादा चोट आई थी। घायल को दरिमा स्वास्थ्य केन्द्र से इलाज के बाद रेफर करने पर स्वजन मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे थे, यहां 27 मार्च को आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाइक में सवार साथी युवक की स्थिति सामान्य है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

चूल्हा में खाना बनाते समय वृद्धा जली, मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। चूल्हा में खाना बनाते समय वृद्ध महिला आग की चपेट में आ गई। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम रायकेरा की तबरून बीबी पति स्व. आरिफ 85 वर्ष, 26 मार्च की शाम को करीब 5 बजे चूल्हा में खाना बना रही थी। घटना के समय बहू रेशमा बाहर कुछ काम कर रही थी। इसी दौरान वृद्ध महिला की चीख पुकार सुनकर बहू मौके पर पहुंची तो उसकी सास आग की लपटों से घिरी हुई थी। स्वजन उसे क्षेत्रीय अस्पताल से रिफर करने पर होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान दोपहर करीब 2.30 बजे उसकी मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम करके मृतिका के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर